दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'समय बदलने से साधन बदल सकते हैं, लेकिन जीवन के मूल्य नहीं। जो समाज अपनी परंपराओं, श्रम, सहयोग और संस्कारों को सहेजकर रखता है, वही विकास की दौड़ में भी अपनी पहचान बनाए रखता है। आधुनिकता तभी सार्थक है, जब वह हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करे, उन्हें मिटाए नहीं।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-221 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 5 जुलाई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

गांव में लाव बांटने वाले अब नहीं रहे : लुप्त होती परंपराएं और बिखरता सामाजिक भाईचारा

किसी भी सभ्यता की पहचान केवल उसकी ऊँची इमारतों, आधुनिक तकनीक या आर्थिक विकास से नहीं होती, बल्कि उन परंपराओं से होती है जो समाज को एक-दूसरे से जोड़कर रखती हैं। भारतीय ग्रामीण जीवन में अनेक ऐसी लोक परंपराएँ थीं, जिनका उद्देश्य केवल दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना नहीं, बल्कि सामूहिकता, सहयोग और आत्मीयता को जीवित रखना भी था। इन्हीं परंपराओं में एक महत्वपूर्ण परंपरा थी 'लाव बाँटना'। आज यह शब्द नई पीढ़ी के लिए लगभग अपरिचित हो चुका है, जबकि कभी यह गाँव की जीवनशैली और सामाजिक संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हुआ करता था। लेकिन यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलना। एक समय था जब गाँवों में पानी का मुख्य स्रोत कुएँ, बावड़ियाँ और जोहड़ हुआ करते थे। प्रत्येक घर का जीवन इन्हीं जलस्रोतों पर निर्भर था। कुएँ से पानी निकालने के लिए बरी, बाल्टी, लाव और चड़स जैसे परंपरागत साधनों का उपयोग किया जाता था। साधारण परिवार रस्सी और बाल्टी के सहारे पानी निकालते थे, जबकि जिनके पास ऊँट या बैल होते थे, वे चमड़े के बड़े चड़स और मजबूत लाव के माध्यम से बड़ी मात्रा में पानी खींचते थे। यह केवल तकनीक नहीं थी, बल्कि ग्रामीण बुद्धिमत्ता और प्रकृति के साथ सामंजस्य का अद्भुत उदाहरण थी। लाव केवल एक रस्सी नहीं थी; वह गाँव की सामूहिक मेहनत, धैर्य और कौशल का प्रतीक थी। इसे बनाने की प्रक्रिया अत्यंत श्रमसाध्य होती थी। वर्षा ऋतु में सण (सन) की खेती की जाती, उसके पौधों को पानी में गलाकर रेशा निकाला जाता और फिर बड़ी सावधानी से उन्हें बटकर मजबूत लाव तैयार की जाती। यदि कहीं उसकी बुनाई में थोड़ा भी दोष रह जाता तो लोग कहते थे– 'लाव काणी हो गई।' यह केवल एक कहावत नहीं थी, बल्कि उत्कृष्टता और गुणवत्ता के प्रति ग्रामीण समाज की सजगता का प्रमाण थी।

लाव बनाने और बाँटने वाले कारीगर गाँव में अत्यंत सम्मानित माने जाते थे। यह कार्य अकेले व्यक्ति का नहीं होता था। गाँव के अनेक लोग एकत्र होकर सहयोग करते थे। इस दौरान केवल रस्सी नहीं बनती थी, बल्कि रिश्तों की डोर भी मजबूत होती थी। हँसी-मजाक, लोकगीत, अनुभवों का आदान-प्रदान और आपसी सहयोग इस कार्य को एक सामाजिक उत्सव का रूप दे देते थे। इसलिए 'लाव मेलना' केवल तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि भाईचारे और सामुदायिक जीवन का जीवंत प्रतीक था। आज विज्ञान और तकनीक ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है। प्लास्टिक, नायलॉन और मशीनों से बनी मजबूत रस्सियाँ बाजार में सहज उपलब्ध हैं। पानी निकालने के लिए मोटर, सबमर्सिबल पंप और पाइपलाइन ने परंपरागत साधनों का स्थान ले लिया है। सुविधा बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही हमने बहुत कुछ खो भी दिया है। मशीनों ने श्रम बचाया, पर लोगों को एक-दूसरे से दूर भी कर दिया। आज रस्सी बाजार से खरीद ली जाती है, इसलिए उसे बनाने के बहाने मिलने-जुलने, सहयोग करने और संवाद करने की परंपरा भी समाप्त हो गई। यह परिवर्तन केवल एक कारीगरी का अंत नहीं है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने के कमजोर होने का संकेत भी है। पहले गाँव में कोई कार्य केवल व्यक्ति का नहीं, पूरे समाज का होता था। कुआँ खोदना हो, लाव बाँटना हो, छप्पर डालना हो या फसल काटनी हो–हर काम में सामूहिक भागीदारी दिखाई देती थी। आज अधिकांश कार्य ठेकेदार, मशीनें और बाज़ार कर रहे हैं। परिणामस्वरूप सुविधाएँ तो बढ़ी हैं, लेकिन सामाजिक निकटता घटती जा रही है। लोक संस्कृति का सबसे बड़ा संकट यही है कि वह धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होती जा रही है। नई पीढ़ी को यह भी ज्ञात नहीं कि बरी क्या होती थी, चड़स किसे कहते थे या लाव कैसे बनाई जाती थी। यदि किसी समाज की नई पीढ़ी अपनी परंपराओं और लोकज्ञान से कट जाती है, तो वह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से भी दूर होने लगती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इन विलुप्त होती परंपराओं का केवल भावनात्मक स्मरण ही न करें, बल्कि उनका दस्तावेजीकरण भी करें। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं को ग्रामीण कारीगरी, लोक तकनीक और परंपरागत ज्ञान पर शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए। स्थानीय संग्रहालयों, सांस्कृतिक मेलों और ग्रामोत्सवों में लाव बनाने जैसी पारंपरिक विधियों का प्रदर्शन किया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी समझ सके कि आधुनिक तकनीक आने से पहले समाज किस वैज्ञानिक सोच और सामूहिक श्रम के आधार पर जीवन जीता था। हमें यह भी समझना होगा कि किसी परंपरा का संरक्षण केवल उसे दोहराने में नहीं, बल्कि उसके मूल मूल्यों को जीवित रखने में है। यदि आज हम 'लाव बाँटना' जैसी परंपरा को पुनर्जीवित नहीं कर सकते, तो कम से कम उसके भीतर छिपे सहयोग, विश्वास, श्रम, सामूहिकता और भाईचारे के संस्कारों को अवश्य बचा सकते हैं। यही हमारी सांस्कृतिक विरासत की वास्तविक रक्षा होगी।

अंततः, गाँव में लाव बाँटने वाले लोग भले ही अब दिखाई नहीं देते, लेकिन उनकी स्मृतियाँ आज भी भारतीय ग्रामीण संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। वे हमें याद दिलाती हैं कि समाज केवल साधनों से नहीं, बल्कि संबंधों से चलता है। यदि विकास की दौड़ में हमने अपनी लोक परंपराओं, सामूहिक श्रम और सामाजिक आत्मीयता को खो दिया, तो यह केवल एक रस्सी का टूटना नहीं होगा, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना की डोर भी कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए समय की माँग है कि आधुनिकता को अपनाते हुए भी अपनी लोक विरासत और उसके मानवीय मूल्यों को सहेजकर रखा जाए, क्योंकि यही हमारी असली पहचान और सबसे बड़ी पूँजी है।

रोजगार उत्सव में नव नियुक्त कार्मिकों को वितरित किए गए नियुक्ति पत्र एवं स्वागत किट

पचपदरा से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का झुंझुनूं में हुआ लाइव प्रसारण

प्रधानमंत्री मोदी की सौगातों से राजस्थान छुएगा विकास की नई ऊंचाइयां: विधायक राजेंद्र भांबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बालोतरा जिले के पचपदरा से आयोजित कार्यक्रम का शनिवार को जिला स्तरीय कार्यक्रम के तहत केशव आदर्श विद्या मंदिर, इंदिरा नगर में लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नव नियुक्त कार्मिक, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, आमजन एवं ग्रामीण उपस्थित रहें। रोजगार उत्सव के अंतर्गत शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न विभागों के नवचयनित एवं नवनियुक्त अभ्यर्थियों का पंजीकरण किया गया। इसके पश्चात उन्हें मुख्यमंत्री का बधाई संदेश, स्वागत किट एवं नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं ने इस पहल को अपने जीवन का महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पचपदरा से दिए गए संबोधन एवं विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास का सीधा प्रसारण भी देखा गया, जिसे उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक सुना। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान कहा कि शेखावाटी अंचल को यमुना का पानी मिलने के ऐतिहासिक समझौते को लेकर राज्य सरकार ने प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण समझौते के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विशेष आभार व्यक्त किया।

यमुना जल समझौते को लेकर शेखावाटी के लिए बड़ी सौगातः अक्टूबर-नवंबर तक धरातल पर दिखेगा काम - जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत

मंत्री ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र पिछले 30 वर्षों से यमुना के पानी का इंतजार कर रहा था, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों की राजनीतिक उदासीनता और इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह क्षेत्र इस लाभ से वंचित रहा। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में हरियाणा और राजस्थान सरकार के बीच इस संबंध में एमओए (MOA) संपन्न हुआ है। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि आगामी अक्टूबर-नवंबर तक इस योजना का काम धरातल पर दिखाई देने लगेगा, जिससे क्षेत्र को पीने के पानी के साथ-साथ सिंचाई के लिए भी पर्याप्त जल मिल सकेगा। भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में तीन नए बांध बनने जा रहे हैं, जिनमें राजस्थान की भी हिस्सेदारी है। इन बांधों के निर्माण के बाद शेखावाटी अंचल को बारह महीने निरंतर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजस्थान दौरे और उनके द्वारा दी गई विकास योजनाओं की सौगातों की जमकर सराहना की। विधायक भांबू ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा राज्य को दिए गए 1 लाख 6 हजार करोड़ से अधिक के विकास प्रोजेक्ट्स से राजस्थान में उन्नति के एक नए युग की शुरुआत होगी। विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र को लंबे समय से प्रतीक्षित यमुना जल समझौते की सौगात मिलने से क्षेत्र की करीब 75 लाख जनता में भारी उत्साह और खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी का हर नागरिक आज गदगद है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हृदय से आभार व्यक्त कर रहा है। भांबू ने कहा कि ऊर्जा, सड़क, मेट्रो और रेलवे जैसे विभिन्न क्षेत्रों में 1.06 लाख करोड़ के बुनियादी ढांचों (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के लोकार्पण और शिलान्यास से राजस्थान को एक नई मजबूती मिलेगी। इन परियोजनाओं से राज्य के विकास को एक नई उड़ान मिलेगी, जिससे राजस्थान देश के अग्रणी और समर्थ राज्यों की श्रेणी में आकर खड़ा होगा। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जो सपना 'विकसित भारत 2047', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' को सिद्ध करने का है, उसे साकार करने में राजस्थान की भूमि और यहां की जनता अपनी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आज के दिन को राजस्थान के इतिहास में बेहद ऐतिहासिक और मील का पत्थर बताया। इस अवसर पर स्काउट-गाइड की बालिकाओं ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को रंगारंग बना दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं में सीओ स्काउट श्री महेश कलावत के नेतृत्व में स्काउट-गाइड के बालक एवं बालिकाओं ने अनुशासित एवं उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम को जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग, श्याम अग्रवाल, विश्वंभर पूनिया,अशोक परनामी, बनवारीलाल सैनी, प्यारेलाल ढुकिया ने भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण जिले भर में किया गया। इस दौरान सभी नगर पालिकाएं, पंचायत समितियां व ग्राम पंचायतें वर्चुअल रूप से कार्यक्रम से जुड़े रहे।

ये रहे मौजूद

जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, विधायक राजेंद्र भांबू, पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार , पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर, निवर्तमान जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी, एडीएम अजय कुमार आर्य, सीईओ परशुराम धानका, सीडीईओ अशोक शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी राजेश मील, कमलकांत शर्मा , सुनील लांबा, सरजीत चौधरी, राजेश बाबल, अरुणा सिहाग, रवि लांबा, दिलीप सैनी, भूपेंद्र सिंह शेखावत, अजय चाहर, संजय मोरवाल, जे पी चौधरी, ताराचंद सैनी, पुरुषोत्तम खाजपुरिया, सीए लोकेश अग्रवाल, संजय जांगिड़ सहित जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी तथा सैकड़ो की संख्या में अभ्यर्थी व आमजन उपस्थित रहे।

कारगिल के अमर वीर राजकुमार यादव को श्रद्धांजलि,
27वीं शहादत दिवस पर इंद्रसर में उमड़ा जनसैलाब

शहीद स्मारक पर हवन-यज्ञ, पुष्पांजलि और पौधारोपण; वीरांगना, परिजन, पूर्व सैनिक व ग्रामीणों ने लिया राष्ट्रसेवा का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

कारगिल युद्ध में मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शेखावाटी के वीर सपूत ग्रेनेडियर शहीद राजकुमार यादव की 27वीं शहादत दिवस शनिवार को उनके पैतृक गांव इंद्रसर स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, पूर्व सैनिक और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ से हुआ। इसके बाद शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रहित के लिए समर्पित रहने का संकल्प भी लिया। ग्रेनेडियर राजकुमार यादव ने कारगिल युद्ध के दौरान द्रास सेक्टर में दुश्मनों का बहादुरी से मुकाबला करते हुए 2 जुलाई 1999 को मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। उनकी पार्थिव देह का 4 जुलाई 1999 को पैतृक गांव इंद्रसर में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया था। वे कारगिल युद्ध में शेखावाटी क्षेत्र के पहले शहीदों में शामिल हैं, जिनका बलिदान आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। श्रद्धांजलि सभा में एडवोकेट हरेश पंवार ने कहा कि शहीद कभी मरते नहीं, बल्कि अपने साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति से हमेशा आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते हैं। शहीद राजकुमार यादव का बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

कार्यक्रम में शहीद की वीरांगना रेणु देवी, पुत्र आशीष कुमार, छोटे भाई एवं कारगिल शहीद राजकुमार स्मृति संस्थान के अध्यक्ष प्रताप सिंह, एडवोकेट हरेश पंवार, नरेंद्र स्वामी, केसर बरवड़, ओमवीर, कैलाश, विनोद उपसरपंच, महेंद्र शर्मा, पूर्ण सिंह, भूप सिंह, मोहन सिंह, महिपाल, बाबूलाल, सुरेंद्र, सुंदरलाल, विक्रम, शीशराम, उमेद सिंह, घीसाराम, रामकिशन पंडित सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, पूर्व सैनिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

मोहनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय में कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय लक्ष्मणगढ़ सीकर में 18 मई से 30 जून तक आयोजित ग्रीष्मकालीन अभिरुचि कौशल व प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह सीकर जिला ऑर्गेनाइजर गाइड परमेश्वरी, जिला ऑर्गेनाइजर स्काउट नकुल मीणा, रोवर लीडर राहुल और डोली पारीक ब्लॉक प्रभारी के आतिथ्य में आयोजित किया गया।

शिविर का आयोजन हिंदुस्तान स्काउट जिला मुख्यालय गोकुलपुरा सीकर एवं मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। शिविर में कंप्यूटर साइंस, वीडियो एडिटिंग, इंग्लिश स्पोकन, संगीत, सिलाई फैशन डिजाइनिंग, मेहंदी, पेंटिंग इंटीरियर डेकोरेशन एवं योगाभ्यास आदि का प्रशिक्षण दिया गया।। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अर्चना शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में महाविद्यालय की नियमित छात्रों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र की छात्राओं एवं महिलाओं ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया।। उन्होंने बताया कि शिविर का उद्देश्य व्यक्तियों की रुचि और छुपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाकर कौशल विकास के साथ स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए । कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी सरिता चौधरी, बबीता घासोलिया, प्रवीण जांगिड़, निकित सैनी के साथ-साथ गोयनका पब्लिक स्कूल के स्टाफ सदस्य दीपक दानोदिया व दिनेश सोनी ने अहम भूमिका निभाई और छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में पूजा वर्मा, सिमरन, संजना, आरती, सोनिया, मनीषा आदि को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में रजनी जोशी ने धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम का संचालन बबीता घासोलिया ने किया। इस दौरान समस्त महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

गोदा का बास में 18 अनुसूचित जाति परिवार 8 दिन से अंधेरे में, ट्रांसफॉर्मर खुद पहुंचाया फिर भी नहीं हुई सुनवाई

ग्रामीणों ने निजी वाहन से ट्रांसफॉर्मर बिजली विभाग कार्यालय पहुंचाया, जल्द बिजली नहीं मिलने पर सड़क जाम की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

सूरजगढ़ क्षेत्र के गांव रघुवीरपुरा (गोदा का बास) में अनुसूचित जाति के 18 परिवार पिछले आठ दिनों से बिजली आपूर्ति बंद होने से भारी परेशानी झेल रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि आठ दिन पहले तेज आंधी के दौरान ट्रांसफॉर्मर गिर गया था, जिसके बाद पूरे मोहल्ले की बिजली ठप हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने स्वयं अपने निजी वाहन की व्यवस्था कर खराब ट्रांसफॉर्मर को बिजली विभाग के कार्यालय तक पहुंचाया, ताकि जल्द नया ट्रांसफॉर्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल की जा सके। इसके बावजूद विभाग की ओर से अब तक कोई समाधान नहीं किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार अधिकारियों को फोन पर और कार्यालय जाकर समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन न तो नया ट्रांसफॉर्मर लगाया गया और न ही बिजली बहाल की गई। भीषण गर्मी में बिना बिजली के रहने से पेयजल, पंखे, कूलर और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं। महिलाओं ने विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि एक-दो दिन के भीतर बिजली आपूर्ति शुरू नहीं की गई तो ग्रामीण बुहाना-सूरजगढ़ मार्ग पर जाम लगाकर आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग और प्रशासन की होगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल नया ट्रांसफॉर्मर लगाकर बिजली आपूर्ति सुचारु कराने की मांग की है। इस दौरान जगजीवन मेघवाल, आशीष कुमार, महेंद्र सिंह, कृष्णा देवी, कृपा देवी, प्रीति देवी, हेमलता, कविता, बिजली, निम्बो देवी, मोनिका, प्रिया, सार्थक, अंकित सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रफड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है।

गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों क ो खुजलाना आरंभ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढ़क, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिडिया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पत्तियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

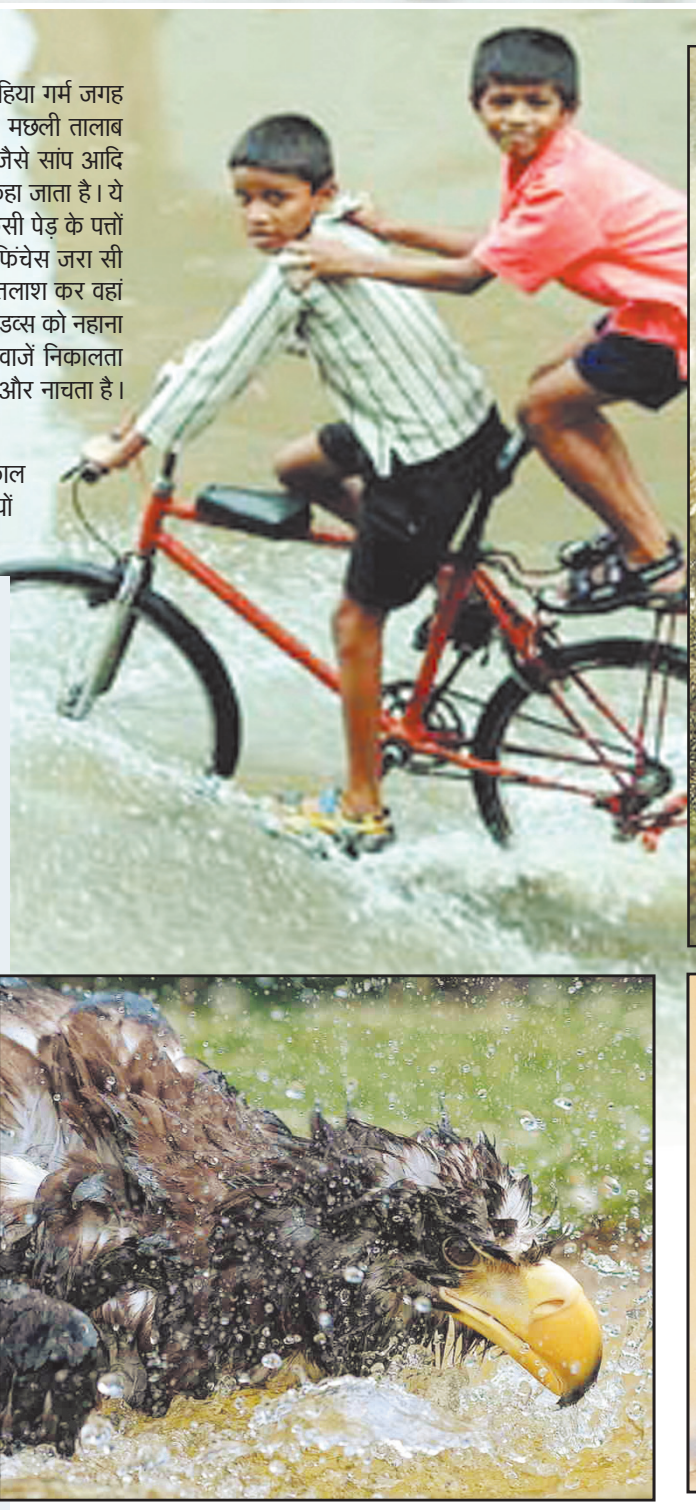

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो युकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

नीमराना विद्यालय में मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों पर जागरूकता शिविर आयोजित

विद्यार्थियों को संविधान और नालसा योजनाओं की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नीमराना में शनिवार को मौलिक अधिकारों एवं मौलिक कर्तव्यों पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। पीएलवी सुनील कुमार ने शिविर में विद्यार्थियों को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। इसके बावजूद आज भी अनेक बच्चे, महिलाएं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार अपने अधिकारों से अनभिज्ञ हैं। अशिक्षा, जागरूकता की कमी और आर्थिक कमजोरी के कारण कई बार लोग शोषण, हिंसा एवं अन्याय का शिकार हो जाते हैं। शिविर में विद्यार्थियों को बताया गया कि नालसा द्वारा बच्चों, महिलाओं एवं जरूरतमंद नागरिकों के लिए विभिन्न

विधिक सहायता एवं संरक्षण संबंधी योजनाएं संचालित की जाती हैं। बच्चों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना आवश्यक है, ताकि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और सुरक्षित वातावरण का अधिकार व्यवहारिक रूप से प्राप्त हो सकें। कार्यक्रम में सुनील ने विद्यार्थियों को मौलिक अधिकारों एवं मौलिक कर्तव्यों की विस्तार से जानकारी देते हुए संविधान के प्रति जागरूक रहने, अपने अधिकारों का सही उपयोग करने तथा अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विषय से जुड़े प्रश्न पूछे और संविधान के प्रति अपनी समझ को और मजबूत किया।

पचपदरा रिफाइनरी राष्ट्र को समर्पित, मंडावा में उत्साह के साथ देखा गया प्रधानमंत्री मोदी का सीधा प्रसारण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ा मंडावा उपखंड, रू1.5 लाख करोड़ की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास का बना साक्षी

पवन कुमार शर्मा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बालोतरा जिले के पचपदरा से राजस्थान रिफाइनरी सहित लगभग ?1.5 लाख करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शनिवार को मंडावा तहसील परिसर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्साहपूर्वक देखा गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में पचपदरा रिफाइनरी को राष्ट्र को समर्पित करते हुए राजस्थान के औद्योगिक विकास, जल प्रबंधन, आधारभूत संरचना के विस्तार, ऊर्जा क्षेत्र की मजबूती तथा प्रदेश को नई विकास गति देने वाली योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विकसित राजस्थान के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना राजस्थान को ऊर्जा एवं औद्योगिक क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराएगी। वहीं सड़क, जल, ऊर्जा एवं अन्य आधारभूत विकास परियोजनाएं प्रदेश के समग्र विकास को नई दिशा प्रदान करेंगी। मंडावा तहसील परिसर में आयोजित

वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन को बड़ी गंभीरता एवं उत्साह के साथ देखा गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इसे राजस्थान के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी पहल बताते हुए प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर एसडीएम विश्वामित्र मीणा, तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर, विकास अधिकारी अमित चौधरी, नगरपालिका अधिशासी अधिकारी लोकेंद्र सिंह शेखावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, पूर्व पालिका अध्यक्ष राधेश्याम सैनी, सामाजिक कल्याण विभाग अधिकारी सुनीता धायल, पूजा चौधरी, शारदा देवी, जेईएन रामसिंह गुर्जर, रवि मीणा, कैलाश शर्मा, सुनील सैनी, संदीप शर्मा, दिनेश धाभाई, संजय परिहार, इब्राहिम रंगरेज, संजय घूघरवाल, विद्याधर सैनी, सीताराम सैनी, मोनिका, उषा कुलहरी, सुमन तंवर, सीबीईओ पवन कुमार, विद्युत विभाग के जेईएन संजेश चौधरी, राकेश कुमार, वेदप्रकाश, प्यारेलाल फरड़ोलिया, जगदीश महरिया,सुरजीत यादव, मुकेश कुमार ममता,संजू, राहुल शर्मा, तेजपाल सत्यनारायण बावलिया,सहित शिक्षा, चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक कल्याण तथा अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन प्रधानमंत्री के संदेश के साथ 'विकसित राजस्थान-विकसित भारत' के संकल्प को दोहराते हुए किया गया।

उपखंड अधिकारी मोनिका सामोर को दी शानदार विदाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

दांतारामगढ़ उपखंड अधिकारी एसडीएम मोनिका सामोर के स्थानांतरण हो जाने के उपलक्ष में शानदार विदाई दी गई। अधिवक्ताओं व कर्मचारियों के द्वारा स्मृति चिन्ना देकर उपखंड अधिकारी मोनिका सामोर को सम्मानित किया गया। निजी महाविद्यालय कैंपस में आयोजित हुए

विदाई समारोह में वक्ताओं ने उपखंड अधिकारी के निष्पक्षता, संवेदनशीलता, कर्तव्य परायणता, कुशल नेतृत्व के रूप में प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए जन समस्याओं का समाधान कर अपनी शानदार पहचान बनाई। दृढ़ निश्चय, सौम्या एवं मिलनसार स्वभाव तथा उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला। इस मौके पर संयुक्त सचिव राम अवतार सिंह निठारवाल, अधिवक्ता रामकृपाल हरितवाल, प्रशांत कुमावत, भंवर सिंह शेखावत, राजेंद्र सिंह शेखावत सहित अनेक प्रबुद्ध जन एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

नवलगढ़ के रामावतार सबलानिया को मिली मानद डॉक्टरेट उपाधि, क्षेत्र में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रामावतार सबलानिया को 'डॉक्टर सोशल सर्विस' की मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें यूनाइटेड अमेरिकन यूनिवर्सिटी फॉर लीडरशिप एंड एक्सीलेंस द्वारा चयन परिषद की स्वीकृति के बाद पांडिचेरी में आयोजित दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया, जहाँ उन्हें ससम्मान मेडल पहनाया गया। सबलानिया को यह उपाधि सामाजिक सेवा, नेतृत्व, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, वृक्षारोपण और स्काउटिंग की

सर्वोच्च योग्यता 'लीडर ट्रेनर' प्राप्त करने के लिए मिली है। इस विशेष उपलब्धि पर स्काउट के जिला प्रधान गंगाधर सिंह सुंडा, सी.ओ. महेश कुमार कालावत, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा और नवलगढ़ प्रधान मुरली मनोहर चौबदार सहित जिले के तमाम स्काउटर, गाइडर व गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई दी है। सबलानिया की इस कामयाबी से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

कौशल प्रशिक्षण के बाद मिली टूल किट

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े प्रशिक्षार्थियों के कदम

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा में कौशल एवं उद्यमिता विकास संस्थान (अंबुजा फाउंडेशन) ने असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट ट्रेड के प्रशिक्षणार्थियों के लिए टूल किट और प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कोर्स पूरा कर चुके युवाओं को व्यावसायिक जीवन की शुरुआत के लिए संबल प्रदान करना था। समारोह के मुख्य अतिथि और संस्थान के जोनल मैनेजर विष्णु प्रसाद ने सफल प्रशिक्षणार्थियों को टूल किट व प्रमाण-पत्र सौंपे। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज के दौर में कौशल आधारित शिक्षा ही युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। प्रशिक्षण के दौरान

सीखे गए हुनर और मिली टूल किट की मदद से युवा न सिर्फ खुद का रोजगार (स्वरोजगार) शुरू कर सकेंगे, बल्कि बाजार में बेहतर काम के अवसर भी हासिल करेंगे। उन्होंने सभी को मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी।संस्थान की सेंटर इंचार्ज खुशबू सेंगर ने कौशल विकास के महत्व को रेखांकित करते हुए लगातार नया सीखते रहने की प्रेरणा दी। ब्यूटीशियन ट्रेनर समता देवी ने कोर्स के दौरान प्रशिक्षणार्थियों के शानदार प्रदर्शन की तारीफ की, वहीं प्लेसमेंट ऑफिसर हरीश जोरासिया ने ब्यूटी सेक्टर में मौजूद रोजगार की संभावनाओं और उद्योगों की जरूरतों की जानकारी दी। अंत में सभी ने संस्थान के सहयोग का आभार जताया।

भाजपा नेता राजेश दहिया ने किया नए नलकूप का उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

भाजपा नेता राजेश दहिया ने चिड़ावा वार्ड नंबर 27, पंचायत समिति के पीछे शिव मंदिर के निकट नए नलकूप का उद्घाटन किया। राजेश दहिया ने पूजा- अर्चना कर नलकूप का उद्घाटन किया। वार्डवासियों ने अतिथियों का पारंपरिक साफा व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहें। मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, डॉ. बी.एल. वर्मा, राजेश वर्मा, मुकेश खंडेलवाल, उपाध्यक्ष पवन नवहाल, पार्षद गंगाधर सैनी, पार्षद मदन डारा, सुशील डाबला, मोहित तामडायत, सुनील भड़ीया, राजकुमार गजराज, पीयूष, मंगेश भगत, मुकेश जलिंद्रा, सुरेश जलिंद्रा, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा, अमित चोटिया, मनोज शर्मा, सुमेर शेखावत, सुरेंद्र शेखावत, सुभाष धाबाई, मनोज बुडानिया, सुरेंद्र जांगिड़, महावीर शेखावत, गौरव गोयल, जितेंद्र गाड़ोदिया, नरेश धाबाई, महेंद्र शेखावत, सरदारा राम बुगालिया, ओम अवस्थगी, जनार्दन सोनी, मयंक मंडेलिया, जीतू, वीरेंद्र शेखावत,

सांवरमल शर्मा, महेंद्र चौधरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और मातृ शक्ति मौजूद रही। महिलाओं ने भाजपा नेता राजेश दहिया का विशेष आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह नलकूप वार्ड नंबर 27 के निवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राजेश दहिया ने कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में चिड़ावा क्षेत्र में जल संरक्षण और विकास कार्य निरंतर गतिमान हैं।

विद्यालय बाल प्रतिनिधि चुनाव: एमडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन में लोकतंत्र का उत्सव, 98 प्रतिशत मतदान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

झुंझुनू जिले के प्रतिष्ठित एमडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के एमडी लिटिल फ्लावर स्कूल में शनिवार को विद्यालय बाल प्रतिनिधि चुनाव उत्साह, अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विद्यालय में लोकतंत्र का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया। हेड बॉय एवं हेड गर्ल के पदों के लिए विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। हेड बॉय पद के लिए यमन, प्रियांशु, प्रयाग, पुष्पिंदर एवं मयंक ने, जबकि हेड गर्ल पद के लिए पावी, लक्षिता, माही, अन्वी एवं डिंपी ने अपना नामांकन दाखिल किया। इसके बाद सभी प्रत्याशियों ने विद्यालय परिसर में सकारात्मक और अनुशासित तरीके से चुनाव प्रचार करते हुए अपने पक्ष में मतदान की अपील की। शनिवार सुबह से ही मतदान को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह था। निर्धारित समय पर शुरू हुई प्रक्रिया में छात्र-छात्राओं ने कतारबद्ध होकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दोपहर 2 बजे तक कुल 98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो विद्यार्थियों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जागरूकता को दर्शाता है। मतदान के दौरान विद्यालय परिसर में पूर्णतः शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण बना

रहा। विद्यालय के चेयरमैन सुनील डांगी एवं निदेशक समित डांगी ने कहा कि ऐसे लोकतांत्रिक चुनाव आयोजित करने का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी, निर्णय लेने की योग्यता तथा सामाजिक-राजनीतिक समझ का विकास करना है। उन्होंने बताया कि ये नवाचार विद्यार्थियों को भविष्य का एक जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। वहीं, प्रधानाचार्य अंकित शर्मा ने कहा कि मतदान केवल प्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने और उनका सम्मान करने का एक सशक्त अवसर भी है। चुनाव को सफल एवं निष्पक्ष बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों को मतदान के महत्व और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया। कुल मिलाकर, इस बाल प्रतिनिधि चुनाव ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हुए नेतृत्व, सहभागिता और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को आत्मसात करने का बेहतरीन मंच उपलब्ध कराया।

चिड़ावा में पुलिस-प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 9 टन से अधिक अवैध विस्फोटक सामग्री जब्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भंडारित विस्फोटक सामग्री का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान करीब 9,071 किलो 400 ग्राम (9 टन से अधिक) अवैध विस्फोटक सामग्री जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जब्त सामग्री में विभिन्न ब्रांडों के पटाखे, सूतली बम, रॉकेट, फुलझड़ियां तथा अन्य आतिशबाजी सामग्री शामिल है, जिसकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। आरोपियों ने यह सामग्री एक बंद मकान और किराये के गोदाम में अवैध रूप से जमा कर रखी थी। जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग और पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत, उपखंड मजिस्ट्रेट किरण पाल एवं वृत्ताधिकारी विकास धींधवाल के सुपरविजन में तहसीलदार रामकुमार पुनिया और चिड़ावा थाना प्रभारी राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। प्रशासन को सूचना मिली थी कि कस्बे में विभिन्न स्थानों

पर अवैध रूप से पटाखों और विस्फोटक सामग्री का भंडारण कर बिक्री की जा रही है। सूचना पर चौधरियों की जाव के पास स्थित एक बंद मकान तथा अग्रसेन भवन के पास किराये के गोदाम की तलाशी ली गई, जहां भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने मौके से प्रदीप और रोहित चौधरी को गिरफ्तार कर दोनों के विरुद्ध अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। मामले की जांच मण्ड्रेला थाना प्रभारी कैलाशचंद को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि अवैध विस्फोटक सामग्री के भंडारण और उसके नेटवर्क के संबंध में भी जांच जारी है।

पेड़ बचेंगे तो भविष्य बचेगा, न्याय हर जरूरतमंद तक पहुंचेगा: महेंद्र सोलंकी

लुमास खेल स्टेडियम में 'न्याय आपके द्वार' एवं पर्यावरण संरक्षण विषयक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, पौधारोपण कर दिया संरक्षण का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा स्थित लुमास खेल स्टेडियम में शनिवार को 'न्याय आपके द्वार' एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, विधिक जागरूकता, बाल अधिकार, साइबर सुरक्षा तथा नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं खिलाड़ियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश महेंद्र सोलंकी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. महेंद्र के. सिंह सोलंकी, चीफ एलएडीसीएस धीरज कुमार बॉयल, पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा, नवयुवक मंडल अध्यक्ष अरविंद शेखावत, समाजसेवी सांवरमल गोदारा तथा फुटबॉल अकादमी के कोच कुलदीप सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य कैलाश चंद्र जागिड़ ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में नवयुवक मंडल एवं स्पोर्ट्स टीम की ओर से सभी अतिथियों

का माल्यार्पण एवं पौधा भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि महेंद्र सोलंकी ने अपने संबोधन में कहा कि 'पेड़ ही जीवन का आधार हैं। यदि प्रकृति को बचाना है तो प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनका संरक्षण करना होगा।' उन्होंने 'न्याय आपके द्वार' अभियान की जानकारी देते हुए बच्चों को उनके मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया। साथ ही बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों, बाल शोषण तथा किसी भी प्रकार के अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। डिजिटल युग की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बच्चों को साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी तथा साइबर हेल्पलाइन की जानकारी भी दी। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। विशिष्ट अतिथि डॉ. महेंद्र के. सिंह सोलंकी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। बढ़ते प्रदूषण और घटते हरित क्षेत्र के कारण मनुष्य ही नहीं, पशु-पक्षियों का जीवन भी संकट में है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा के नेतृत्व में मुख्य अतिथि, अतिथियों, खिलाड़ियों एवं ग्रामीणों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर बाबूलाल सैनी, अरविंद शर्मा, मनीष शेखावत, कूल्डा राम बुगालिया सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य कैलाश चंद्र जागिड़ ने किया।

श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन के कल्याण का मार्ग - हरि शरण महाराज

जहां कथाओं में बढ़ रहा मनोरंजन और चढ़ावे का चलन, वहीं हरिशरण महाराज दे रहे भक्ति और सनातन धर्म का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

आजकल कई धार्मिक आयोजनों में कथाओं के दौरान चुटकुलों, मनोरंजन और चढ़ावे पर अधिक जोर देखने को मिलता है, लेकिन चिड़ावा के स्टेशन रोड स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा में कथा व्यास एवं पूज्य रामसुखदास जी महाराज के अनुयाई हरिशरण महाराज श्रद्धालुओं को एक अलग और प्रेरणादायक संदेश दे रहे हैं। उनका कहना है कि श्रीमद्भागवत कथा का उद्देश्य मनोरंजन नहीं, बल्कि मनुष्य को भगवान के निकट ले जाना और उसके जीवन का आध्यात्मिक उत्थान करना है। कथा में आने वाले श्रद्धालुओं से वे चढ़ावा या फल लाने की अपेक्षा नहीं करते, बल्कि भगवान की कथा का रसपान कर उसे अपने जीवन में उतारने का आग्रह करते हैं। एक जुलाई से सात जुलाई तक आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के दौरान विशेष बातचीत में हरिशरण महाराज ने कहा कि मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म किसी की बुराई या हानि नहीं करना है। समाज और परिवार में प्रेम, सेवा और सद्भाव का व्यवहार ही सच्ची भक्ति का आधार है। उन्होंने कहा कि जीवन बैंक बैलेंस बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि भगवान के प्रति प्रेम और आत्मकल्याण के लिए मिला है। हरिशरण महाराज ने कहा कि सनातन धर्म केवल किसी एक समुदाय या धर्म विशेष तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण मानवता को श्रेष्ठ आचरण का संदेश देता है। वेद

और श्रीमद्भागवत का सार यही है कि मनुष्य जैसा कर्म करता है, वैसा ही फल उसे कई गुना होकर वापस मिलता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यवहार, वाणी और कर्म को शुद्ध रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यासपीठ भगवान की महिमा का मंच है, मनोरंजन का नहीं। कथा में भगवान का नाम, भक्ति और जीवन के आदर्शों का चिंतन होना चाहिए। मनोरंजन के अनेक साधन हो सकते हैं, लेकिन श्रीमद्भागवत कथा केवल आत्मिक शांति और परमात्मा से जुड़ने का माध्यम है। गुरु की आवश्यकता पर उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति के मन में किसी के प्रति बुराई, लोभ और मोह न हो तथा भगवान के प्रति सच्चा प्रेम हो, वही वास्तविक आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्रकृति के निकट रहने, संयमित वाणी अपनाने और निरंतर भगवान के नाम का स्मरण करने का आह्वान किया।? हरिशरण महाराज ने कहा कि आज समाज को चढ़ावे और दिखावे से अधिक भगवान के प्रति समर्पण, भक्ति और सदाचार की आवश्यकता है। यदि व्यक्ति श्रीमद्भागवत के संदेशों को अपने जीवन में उतार ले, तो वही उसके जीवन का सबसे बड़ा धन और वास्तविक कल्याण होगा।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास में सामूहिक सुंदरकांड पाठ, श्रद्धालुओं ने किया रामभक्ति का गुणगान

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले मार्ग स्थित निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास परिसर के भगवान राम-जानकी-हनुमान मंदिर में शनिवार को साप्ताहिक सामूहिक सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा, श्रीराम स्तुति एवं आरती का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। छात्रावास निर्माण समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी ने बताया कि मंदिर में प्रत्येक शनिवार को समिति के पदाधिकारियों, छात्रावास के विद्यार्थियों एवं श्रद्धालु भक्तों की सहभागिता से सामूहिक सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा, श्रीराम स्तुति एवं आरती का

आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम से पहले भगवान राम-जानकी-हनुमान का आकर्षक एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया, जिसके बाद सामूहिक रूप से धार्मिक पाठ संपन्न हुआ। पाठ के समापन पर श्रद्धालुओं को भगवान का प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम एवं हनुमानजी के जयकारों के साथ धार्मिक आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में समिति के संयोजक सज्जन कुमार सैनी, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, कोषाध्यक्ष झाबरमल माली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नथमल, भूमि प्रदाता दीपक कटारिया, राजा कटारिया, अंकित गौड़, संदीप पिपलोदिया, अनिल जाजम, मनीष बालाण, अंकित महावर, अनिल सैनी, पंकज बालाण, अभिषेक गौड़, दीपेश गौड़ सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य, छात्रावास के विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहें।

आदिवासी कांग्रेस का जिला स्तरीय सम्मेलन संपन्न

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गणेश घोघरा सहित कई प्रदेश संगठन के लोगों ने की शिरकत

भीम प्रज्ञा न्यूज.गुढ़ागौड़जी।

सुमेर मीणा । कस्बे के अभिनंदन गार्डन में शनिवार को आदिवासी काग्रेस का जिला स्तरीय सम्मेलन जिलाध्यक्ष रतन मीणा जोधपुरा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं डूंगरपुर के विधायक गणेश घोघरा ने काग्रेस पार्टी को मजबूत करने पर विस्तार से विचार रखे। विशिष्ट अतिथि उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी ने आदिवासी समाज की जमकर तारीफ की। आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राधेश्याम मुहेल , प्रदेश संगठन महासचिव हरफूल मीणा, जयपुर संभाग प्रभारी कैलाशी मीणा, राहुल भैया, आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा, पूर्व ख्याली राम,राजीव गोरा,पूर्व जिला परिषद सदस्य बालूराम उतरासर,, दिल्ली पुलिस के रिटायर्ड एसीपी राधेश्याम मीणा सिंघाना, मीणा हॉस्टल अध्यक्ष रामचंद्र मीणा, शिवलाल मीणा रिंगस, रामकुमार भीमसर, सहित कई वरिष्ठ लोगों ने संबोधित किया। सम्मेलन में अतिथियों का साफा ओर माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने आदिवासी काग्रेस पार्टी को ब्लॉक स्तर से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी ने टोडी आदिवासी मीणा छात्रावास में अपने विधायक कोष से 10लाख रुपये की लागत से लाइब्रेरी पुस्तकालय का निर्माण कराने की घोषणा की।। इस अवसर पर विनोद मीणा अशोक मीणा, प्रभाती लाल मीणा, होशियार सिंह मीणा रामसिंह मीणा बामलास मामराज मीणा, मनोज मीणा कालोटा, रोहिताश मीणा भोड़की, अमित मीणा घोड़ी वारा रामनिवास मीणा, प्रहलाद मीणा कालूसर, प्यारे लाल मीणा सले दी पूरा, बिलासा राम भोड़की, , संजय मीणा रवा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन संजय मीणा रवा ने किया।

नीमराना तहसील परिसर में पीएम मोदी के विकास कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, गर्मी व देरी से महिलाओं में नाराजगी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को राजस्थान के बालोतरा स्थित पंचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम का नीमराना तहसील परिसर में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। उपखंड प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, भाजपा पदाधिकारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों, सफाई कर्मचारियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी सरकार केवल योजनाओं की घोषणा नहीं करती, बल्कि उन्हें समय पर पूरा कर जनता को समर्पित करने के लिए लगातार निगरानी भी रखती है। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से जयपुर मेट्रो फेज-2 की आधारशिला रखी तथा करीब 1.29 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद रसोई गैस की कीमतों को नियंत्रित रखने और आम उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी कुलदीप सिंह शेखावत, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी कुसुम गोयल, पूर्व प्रधान सविता मनोज यादव, एसबीओ पुष्पा यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश खंडेलवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष जय भारत सोनी, पंचायत समिति सदस्य एवं डूमरोली इंडेन गैस एजेंसी संचालक बाबूलाल, सुरेश रेवाड़िया, लीलाराम चौधरी, जगदीश प्रजापत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गर्मी और देरी से महिलाओं में दिखी नाराजगी

कार्यक्रम के दौरान सफाई कर्मचारी महिलाओं एवं अन्य महिला कार्यकर्ताओं को पंडाल में बैठाया गया, लेकिन कूलर और पंखों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने तथा अत्यधिक गर्मी और उमस के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री के संबोधन में देरी होने से कई महिलाएं नाराज होकर कार्यक्रम स्थल छोड़कर अपने घरों की ओर रवाना हो गईं। बाद में उपखंड अधिकारी कुलदीप सिंह शेखावत एवं प्रशासनिक कर्मचारियों के समझाने और आग्रह करने पर अधिकांश महिलाएं वापस कार्यक्रम स्थल पहुंचीं और एलईडी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री का संबोधन देखा। कार्यक्रम के दौरान उपखंड अधिकारी मुख्य रूप से मौजूद रहे, जबकि अन्य कुछ उपखंड स्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी रही। वहीं, अपेक्षा के अनुरूप भाजपा कार्यकर्ताओं की कम उपस्थिति को लेकर भी कार्यक्रम स्थल पर लोगों के बीच चर्चा होती रही।

नगर कांग्रेस ने सेवानिवृत्त शिक्षक सत्यवीर सिंह यादव को किया सम्मानित, शिक्षा में योगदान को बताया अनुकरणीय

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । गुसाई वाली ढाणी, दौलतसिंहपुरा निवासी क्षेत्र के लोकप्रिय शिक्षक श्री सत्यवीर सिंह यादव के सेवानिवृत्त होने पर नगर कांग्रेस कार्यकारिणी ने सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी। नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने श्री सत्यवीर सिंह यादव का साफा बांधकर, माल्यार्पण एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर स्वागत किया और शिक्षा के क्षेत्र में उनके लंबे समय तक दिए गए योगदान की सराहना की। इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी ने कहा कि सत्यवीर सिंह यादव ने अपने शिक्षकीय जीवन में हजारों विद्यार्थियों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाया। उनका अनुशासन, समर्पण और सेवाभाव समाज के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति सेवा की समाप्ति नहीं, बल्कि समाज सेवा के नए अध्याय की शुरुआत है। समारोह में ओबीसी कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष संजय झगड़ोलिया, नगर उपाध्यक्ष महावीर चर्खिया, वार्ड अध्यक्ष संजय कुमार सैनी, मीडिया प्रभारी प्रशांत कुमार शर्मा, देवेंद्र कुमार जोशी, गिर्राज सांमरिया एवं रामजस सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे। सभी ने श्री सत्यवीर सिंह यादव के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उनके शिक्षा क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को नमन किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

बाजोरिया चैरिटेबल ट्रस्ट ने अग्रवाल भवन के नवीनीकरण के लिए दिया 2 लाख रुपए का आर्थिक सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

बाजोरिया ट्रस्ट की ओर अग्रवाल पंचायत समिति लक्ष्मणगढ़ को भवन के नवीनीकरण कार्य के लिए 2 लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई।अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों ने ट्रस्ट के प्रतिनिधि गोविंद जाजोदिया का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

रैफल्स विश्वविद्यालय नीमराना में एनीमो प्राइम की प्लेसमेंट ड्राइव, 5 विद्यार्थियों का चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । जुलाई 2026 रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा शनिवार को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस भर्ती अभियान में गुरुग्राम स्थित एनीमो प्राइम प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया और विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्रदान किया। प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के पात्र विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कंपनी द्वारा लिखित परीक्षा, समूह चर्चा एवं साक्षात्कार सहित कई चरणों की चयन प्रक्रिया के बाद कुल 5 विद्यार्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया।प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के अधिकारी डॉ. राजपाल कोसालिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना और उन्हें प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इसके लिए विश्वविद्यालय निरंतर अग्रणी उद्योगों के साथ संपर्क स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर रैफल्स विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राजेन्द्र सिंह सांगवान ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने प्लेसमेंट सेल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि रैफल्स विश्वविद्यालय उद्योगोन्मुख शिक्षा के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण प्लेसमेंट देने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने एनीमो प्राइम प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे सहयोगात्मक प्रयासों की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम का समापन चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देने के साथ हुआ।

गोल्याणा में पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण का लाइव प्रसारण देखा

भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश मंत्री महेंद्र चंदवा का हुआ स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

गोल्याणा स्थित शिवगोरा मंदिर ट्रस्ट परिसर में शनिवार को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण समारोह का लाइव प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम शिवगोरा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मूलचंद कारग्वाल की अध्यक्षता एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा राजस्थान के प्रदेश मंत्री महेंद्र चंदवा के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस दौरान महेंद्र चंदवा के भाजपा ओबीसी मोर्चा राजस्थान का प्रदेश मंत्री नियुक्त होने पर ट्रस्ट एवं ग्रामीणों की ओर से साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

महेंद्र चंदवा ने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी का लोकार्पण राजस्थान के औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और विकसित राजस्थान का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है। उन्होंने अपने प्रदेश मंत्री बनाए जाने पर पार्टी नेतृत्व एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में लोहारगल के प्रशासक जगमोहन शेखावत, चिराणा ग्राम पंचायत के प्रशासक राजेंद्र सिंह, बिडासर के प्रशासक प्रदीप गोदारा, सुरेंद्र सिंह शेखावत, सुरेंद्र कारग्वाल, पाबूदान सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी महर्षि, सीए जितेंद्र रणवीर सिंह, मोहाल, मूल सिंह गडवाल, नेकीराम गोदारा, महेश सिंह, महेंद्र सिंह गोदारा, राजेंद्र मीणा, श्रवण कुमावत, रमेश मारवाड़, मुकेश सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

श्रीडूंगरगढ़ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण, विधायक सहित अधिकारी रहें मौजूद

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बालोतरा के पचभदरा में एतिहासिक रिफायनरी को आज शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को समर्पित किया गया इस दौरान राजयपाल हरिभाऊ बागडे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा केंद्रीय मंत्री हरदीपसिंह पूरी उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी डॉ प्रेमचंद बेरवा भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ मौजूद रहें। श्रीडूंगरगढ़ में उपखंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लाइव देखने के लिए विधायक ताराचंद सारस्वत उपखंड अधिकारी शुभम शर्मा, तहसीलदार वर्धन शर्मा, पंचायत समिति के विकास अधिकारी मनोज धायल, नगरपालिका अध्यक्ष मानमल इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। भाजपा पदाधिकारीयों में शहर अध्यक्ष राधेश्याम दर्जी, शहर महान मदन सोनी, जिला उपाध्यक्ष हेमनाथ जाखड़ ओबीसी मोच विनोद गिरि गोस्वामी महेश राजोतिया पवन इंदौरिया पा रजत आसोपा जगदीश गुर्जर अरुण पारीक आईदान जोशी महावीर अडावलिया रतन सिंह राठौड़ जगदीश प्रसाद पारीक सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व कर्मचारी मौजूद रहे।

चेक बाउंस मामलों की विशेष लोक अदालत 18 जुलाई को

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (हालसा) के सदस्य सचिव से प्राप्त दिशा निर्देशों की अनुपालना में पूरे प्रदेश में चेक बाउंस मामलों की विशेष लोक अदालत का आयोजन 18 जुलाई को किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत में मुख्य रूप से चेक बाउंस से जुड़े मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया जाएगा। यह जानकारी जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी डॉ. सुयशा जावा ने दी। विशेष लोक अदालत का आयोजन स्थानीय न्यायिक परिसर व उपमंडल स्तर पर रतिया व टोहाना न्यायिक परिसरों में किया जाएगा।उन्होंने बताया कि जिन लोगों के चेक बाउंस धारा 138 एनआइ एक्ट से संबंधित मामले न्यायालय में लंबित है वे 17 जुलाई तक संबंधित अदालत में उपस्थित होकर अपने मामलों का विशेष लोक अदालत में विचारार्थ प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस विशेष लोक अदालत में लंबित धारा 138 एनआइ एक्ट अपीलों को भी शामिल किया जाएगा ताकि पक्षकार आपसी सहमति से अपने विवादों का त्वरित, सरल और सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त कर सकें। डॉ. सुयशा जावा ने कहा कि विशेष लोक अदालत के माध्यम से मामलों का निपटारा होने से समय, धन और ऊर्जा की बचत होती है तथा विवाद बिना अनावश्यक देरी के समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि लोक अदालत का फैसला अंतिम और सभी पक्षों पर मान्य होता है।

महवा में सड़क पर स्टंटबाजी पड़ी भारी: पुलिस ने पांच युवकों को दबोचा, दो थार और एक आर-15 बाइक जब्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा (दौसा)।

मनोज खंडेलवाल । सार्वजनिक सड़कों पर खतरनाक स्टंटबाजी और लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ महवा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच युवकों को गिरफ्तार कर दो ब्लैक थार और एक आर-15 मोटरसाइकिल जब्त की है। कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के निर्देशन, महवा सीओ अनूप सिंह के सुपरविजन तथा थानाधिकारी महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।पुलिस के अनुसार 3 जुलाई को सूचना मिलने पर टीकरी-जाफरान रोड पर तत्काल कार्रवाई की गई, जहां कुछ युवक सार्वजनिक सड़क पर वाहनों से खतरनाक स्टंट कर आमजन की जान जोखिम में डाल रहे थे। पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए पांच युवकों को चिन्हित कर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया तथा स्टंट में प्रयुक्त दो थार और एक आर-15 मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत जब्त कर लिया।

इलाज कराने जयपुर गए दंपती के फार्म हाउस का ताला तोड़कर चोरी, नकदी सहित लाखों के सोने के जेवर ले उड़े चोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मंडावर थाना क्षेत्र के राजगढ़ में वारदात, पीड़ित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर पुलिस ने शुरू की जांच

मनोज खंडेलवाल । थाना क्षेत्र के राजगढ़ (रसीदपुर) गांव स्थित एक फार्म हाउस पर अज्ञात चोरों ने रात के समय धावा बोलकर मकान का ताला तोड़ दिया और संदूक में रखी 70 हजार रुपये की नकदी के साथ सोने के टीका, मंगलसूत्र, कानों के कुंडल तथा जन्तर सहित अन्य आभूषण चोरी कर ले गए। वारदात उस समय हुई जब मकान मालिक अपनी बीमार पत्नी का इलाज कराने जयपुर के नारायणा अस्पताल गया हुआ था और पीछे से चोरों ने सूने मकान को निशाना बना लिया। वहीं पीड़ित रामजीलाल मीना पुत्र धनपाल मीना निवासी ऊकरूद हाल निवासी राजगढ़ ने मंडावर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 02 जुलाई की रात करीब साढ़े बारह बजे के आसपास अज्ञात बदमाश उसके फार्म हाउस में घुसे और ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 की धारा 305(ए) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की तफ्तीश हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश बैरवा को सौंपी गई है। मंडावर पुलिस का कहना है कि चोरी गए सामान और आरोपियों की तलाश के लिए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस भर्ती की शारीरिक परीक्षा के दौरान गांव सैदपुर के कपिल की मौत को लेकर हुई पंचायत

आज निकाली जाएगी कैंडल मार्च, मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । हरियाणा पुलिस भर्ती की शारीरिक परीक्षा (दौड़) के दौरान अटेली खंड के गांव सैदपुर के कपिल की 1 जुलाई को पंचकूला में मौत को लेकर शनिवार को गांव में पंचायत हुई। पंचायत में 20 सदस्यीय कमेटी का गठन कर सरकार से मौत के कारणों व प्रशासन की लापरवाही पर नाराजगी प्रकट की गई। मृतक युवक को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आज 5 जुलाई शाम को 6 बजे कैंडल मार्च निकालने का निर्णय लिया। पंचायत में मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी देने की मांग उठी। पंचायत में यह भी निर्णय लिया गया कि शासन-प्रशासन इससे सबक लेकर भविष्य में शारीरिक परीक्षा के दौरान ऐसी पुनरावृत्ति न हो इसके लिए ठोस प्रबंधन करे। पंचायत में कहा गया कि कपित की मौत एक हादसा नहीं सिस्टम की विफलता है। लालचंद मास्टर ने बताया कि कपिल पुत्र हीरालाल होनहार युवक था। वह पुलिस में भर्ती हो कर राष्ट्र की सेवा करना चाहता था लेकिन शारीरिक परीक्षा के दौरान शासन-प्रशासन द्वारा समय पर उपचार नहीं मिलने से युवक की दर्दनाक मौत हुई है। युवक के तीन साल की बच्ची तथा उसकी पत्नी छः-सात माह की गर्भवती है। ऐसी स्थिति में परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा हुआ है। पंचायत में गांव के सस्पेंड चल रहे सरपंच विकास कुमार, पूर्व सरपंच लालाराम, लालचंद मास्टर, मनोहरलाल नंबरदार, सूबेसिंह भोड़ीवाल, कैप्टन विनोद, विक्रम, विनोद कुमार, सुरेंद्र कुमार सहित गांव के अनेक गणमान्य लोगों के अलावा युवा मौजूद रहें।

राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली का शानदार प्रदर्शन, यूनिवर्सिटी टॉपर सहित कई छात्राओं ने रचा इतिहास

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली ने रचा इतिहास, यूनिवर्सिटी टॉपर समेत कई छात्रायें अव्वल रही। बीए छठे सेमेस्टर में महाविद्यालय की छात्राओं ने टॉप टेन में प्रथम तीन स्थान प्राप्त किये। टाप टेन में रहने वाली छात्राओं को शनिवार को महाविद्यालय में उनके परिजनों के साथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर प्रवीण यादव व अन्य लेक्चरर ने सम्मानित किया। हाल ही में घोषित बीए, बीएससी और बीकॉम छठे सेमेस्टर के परिणामों में शानदार प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर प्रवीण यादव ने कहा कि यह उपलब्धि स्टाफ की मेहनत और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। बच्चों के सर्वांगीण विकास में केवल शिक्षक ही नहीं, बल्कि उनके माता-पिता की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। अभिभावकों के निरंतर सहयोग के बिना छात्राओं का इस ऊंचाइयों तक पहुंचना कठिन होता है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय छात्राओं की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के प्रोत्साहन को दिया। छात्राओं की शैक्षणिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय ने अपनी सुविधाओं का और अधिक विस्तार करने का निर्णय लिया है। प्राचार्य ने बताया की कि वर्तमान में मौजूद विशाल लाइब्रेरी के अतिरिक्त इस सत्र में दो और कमरे लाइब्रेरी के लिए दिए जाएंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जो छात्राएं निरंतर अध्ययन के लिए उत्कृष्ट माहौल चाहते हैं, उन्हें पहले से भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह नई लाइब्रेरी सुविधा पूर्णतः निशुल्क रहेगी, और महाविद्यालय के बाहर की छात्राएं भी इसका लाभ उठा सकेंगी। इसके साथ-साथ महाविद्यालय में छात्राओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी भी करवाई जाएगी। महाविद्यालय रजिस्ट्रार तेजप्रकाश ने मीरपुर विश्वविद्यालय परीक्षा परिणामों में उनकी छात्राओं ने यूनिवर्सिटी स्तर पर अपनी धाक जमाई है। महाविद्यालय की छात्रा मोहिनी ने यूनिवर्सिटी टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है। इसके साथ ही, उसी संकाय में कॉलेज के अन्य छात्राओं में दीपिका ने दूसरी और संगीता ने तीसरी पोजीशन भी अपने नाम की है। बीकॉम में भी छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वशिष्ठा ने पांचवीं रैंक और बीएससी में तरुणा ने छठी रैंक हासिल कर विश्वविद्यालय में अपना परचम लहराया है। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी नवनीत कुमार ने बताया कि छात्राओं ने ने केवल विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में स्थान बनाया है बल्कि बीएससी की दो छात्रा तरुणा तथा मोनिका ने आईआईटी जैम की परीक्षा पास की। इसके अलावा इस महाविद्यालय की बहुत सारी छात्राओं का एडमिशन उच्च शिक्षा के लिए देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में हुआ है।

टोहाना में कुछ प्रोपर्टी डीलरों के पास बेनामी सम्पत्ति खरीद फरोत की हो विजिलेंस जांच

एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा,प्रदेश प्रवक्ता हरियाणा भीम आर्मी

सर्कल रेट के बावजूद दोनों हाथों से लूटा जा रहा है आमजन को

प्रोपर्टी डिलर्स की सम्पत्ति लेने देने की भी हो जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

टोहाना के वरिष्ठ एडवोकेट व भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता विजय कृष्ण रंगा ने हरियाणा सरकार से मांग की है कि हरियाणा के सीमावर्ती इलाके टोहाना क्षैत्र के

कुछ प्रोपर्टी डीलर सम्पत्ति खरीद फरोत के निर्धारित मानकों को धता बताकर अपनी इच्छा से सर्कल रेट से दोगुने तिगुना रेट बढ़ा कर सरकार से तो टैक्स की तो चोरी कर ही रहे हैं साथ ही भोली भाली जनता को भी लुटा जा रहा है जिससे आम गरीब जनता इन प्रोपर्टी डीलरों के हाथों लुटी जा रही है परंतु स्थानीय प्रशासन इस प्रकार की टैक्स चोरी व कालाबाजारी पर न तो कोई कार्रवाई करता ना ही प्रोपर्टी डीलरों के द्वारा हरियाणा सरकार को लगाया चुने पर कोई पाबंदी बारे कार्यवाही की जाती। हरियाणा सरकार को चाहिए कि प्रोपर्टी डीलरों के द्वारा आम जनता व सरकार से सम्पत्ति खरीद फरोत के दौरान हुए लेने देन में पारदर्शिता व जवाबदेही निश्चित होनी चाहिए। हरियाणा भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता विजय कृष्ण रंगा ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि टोहाना में तहसील में व्याप्त इस लूट की पूर्णतया जांच हो तथा विशेष विजिलेंस विभाग से जांच कर इन प्रोपर्टी डीलरों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। सर्कल रेट में कम होने के बावजूद अपनी इच्छानुसार रेट बढ़ाकर करोड़ों के राजस्व का नुक़सान सरकार को कर रहे हैं।इस प्रकार के पूरे प्रकरण में राजस्व विभाग व रजिस्ट्रार कार्यालय के रजिस्ट्रेशन क्लर्क व सम्बंधित कर्मचारियों की संलिप्तता की भी जांच मुख्यमंत्री विजिलेंस से होनी चाहिए। टोहाना के एक भुना रोड़ स्थित प्रोपर्टी डीलर के पास कितनी सम्पत्ति है इसकी भी विशेष तौर पर जांच हो ताकि सरकार के सम्मुख सच्चाई आ सकें।

टोहाना थाना शहर पुलिस ने 7 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी को किया काबू

गश्त के दौरान पुलिस को देखकर भागने का प्रयास, तलाशी में हेरोइन बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए टोहाना के रामनगर स्थित रविदास मोहल्ला निवासी संजय उर्फ बच्ची पुत्र गुरदेव सिंह को 7 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त एवं अपराध रोकथाम के दौरान नए बाईपास स्थित नहर पुल के पास मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया,

जिसने पुलिस वाहन को देखकर वापस मुड़कर भागने का प्रयास किया। संदेह के आधार पर पुलिस ने उसे काबू कर लिया। नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी की जेब से एक पारदर्शी पाउच में 7 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने हेरोइन तथा मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अभियोग संख्या 195 दिनांक 03.07.2026 के तहत धारा 21(बी), 61 एवं 85 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत थाना शहर टोहाना में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा तथा मामले की आगामी जांच जारी है।

जिला में पहले दिन 2458 परीक्षार्थियों ने दी लेवल-3 की परीक्षा, 296 रहें अनुपस्थित

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला फतेहाबाद में शनिवार को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी की हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) की लेवल-3 की परीक्षा जिला के 9 परीक्षा केंद्रों पर सायं कालीन सत्र दोपहर 3 बजे से शाम 5.30 बजे तक में हुई। इस परीक्षा में 2754 परीक्षार्थी शामिल होने थे, जिसमें से 2458 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और जबकि 296 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। जिला में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। नकल रहित व शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न करवाने के लिए एचटेट परीक्षा के लिए जिला प्रशासन ने पुख्ता प्रबंध किए थे। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और जैमर लगाए गए थे। परीक्षा केंद्रों पर आने वाले परीक्षार्थियों की पूर्ण चैकिंग के बाद ही उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया।

5 जुलाई का यह रहेगा परीक्षा का शेड्यूल

जिला में 5 जुलाई को लेवल-2 (टीजीटी) की परीक्षा प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक तथा लेवल-1 (पीआरटी) की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 5.30

बजे तक होगी। लेवल-2 (टीजीटी) के लिए 15 केंद्रों पर 4535 तथा लेवल-1 (पीआरटी) के लिए 5 केंद्रों पर 1391 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। डीसी डॉ. विवेक भारती ने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचे ताकि सुरक्षा जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन एवं अन्य औपचारिकताएं समय पर पूरी हो सकें। उन्होंने बताया कि परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले प्रवेश बंद कर दिया जाएगा।

इन शिक्षण संस्थानों में बनाया गया है परीक्षा केंद्र

एचटेट परीक्षा को लेकर जिला में सीएमजी राजकीय महिला महाविद्यालय भोडिया खेड़ा ब्लॉक 1 व 2, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल खैराती खेड़ा रोड ब्लॉक 1 व 2, राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल नजदीक बाल भवन ब्लॉक 1 व 2, एमएम पीजी कॉलेज रतिया रोड ब्लॉक 1 व 2, एसबीपी डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल बीघड़ रोड ब्लॉक 1 व 2, अपेक्स पब्लिक स्कूल सतीश कॉलोनी, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल पुलिस लाइन, एमएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन सिरसा रोड, एमएसडी स्प्रिबेल्स पब्लिक स्कूल बीघड़ रोड तथा महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल सिरसा रोड को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

टोहाना के थाना जाखल पुलिस की लगातार कार्रवाईः चोरी के मामले में तीन अन्य सह-आरोपी काबू- एसएचओ सब इंस्पेक्टर संजय कुमार

राइस मिल से चावल एवं ग्वार सीड चोरी के मामले में पहले दो आरोपी हो चुके हैं काबू, जांच जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.जाखल।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । थाना जाखल पुलिस ने राइस मिल से चावल एवं ग्वार सीड चोरी के मामले में कार्रवाई जारी रखते हुए तीन अन्य सह-आरोपियों जाखल की बाजीगर बस्ती निवासी मनोज पुत्र सतपाल, जाखल की बाजीगर बस्ती निवासी बिपन पुत्र सतपाल तथा जाखल की गुरुद्वारा बस्ती निवासी अनमोल पुत्र अशोक को काबू किया है। इससे पहले पुलिस इसी मामले में दो आरोपियों को काबू कर चुकी है। तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना जाखल प्रभारी पीएसआई संजय ने बताया कि जाखल मंडी निवासी अमन गर्ग पुत्र प्रेमचंद गर्ग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उनके पिता के नाम से

संचालित दलीप चंद राइस एंड जनरल मिल से 12 जून 2026 की रात अज्ञात चोर करीब 18-20 कट्टे चावल एवं ग्वार सीड चोरी कर ले गए। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि इससे पहले भी उनके राइस मिल से कई बार चावल एवं ग्वार सीड के कट्टे चोरी हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर थाना जाखल में अभियोग संख्या 77 दिनांक 14.06.2026 के तहत धारा 305 एवं 331(4) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने पहले दो आरोपियों को काबू किया था। मामले में आगे कार्रवाई करते हुए तीन अन्य सह-आरोपियों को भी काबू कर लिया गया। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा तथा मामले में नियमानुसार आगामी कार्रवाई जारी है।

एचटेट परीक्षा शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए फतेहाबाद पुलिस पूरी तरह मुस्तैद

जिलेभर में सुरक्षा के कड़े प्रबंध, परीक्षा केंद्रों पर व्यापक पुलिस बंदोबस्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए फतेहाबाद पुलिस द्वारा जिलेभर में व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, जबकि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।परीक्षा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिलेभर में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षा केंद्रों के आसपास नियमित गश्त की जा रही है तथा प्रत्येक गतिविधि पर सतर्क निगरानी रखी जा रही है। यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। फतेहाबाद पुलिस द्वारा परीक्षा केंद्रों के बाहर अनावश्यक भीड़ एकत्रित होने से रोकने, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने तथा परीक्षा की गरिमा बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रभावी

कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

फतेहाबाद पुलिस ने परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचें, यातायात नियमों का पालन करें तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस अधिकारी अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें। फतेहाबाद पुलिस निष्पक्ष, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बड़केश्वर महादेव मंदिर में शिव परिवार की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा, श्रद्धा से गूंजा मंडावर शहर

भव्य शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब, कलश यात्रा, पुष्पवर्षा और महाप्रसादी के साथ धार्मिक आयोजन संपन्न।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे की बड़ कॉलोनी स्थित बड़केश्वर महादेव मंदिर में शनिवार को भगवान शिव परिवार की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक रीति-रिवाज और मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धा एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। आयोजन की शुरुआत मंदिर परिसर से निकली भव्य शोभायात्रा से हुई, जो मुख्य बाजार के विभिन्न मार्गों से होकर पुनः मंदिर पहुंची। शोभायात्रा में महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर चल रही थीं, जबकि पुरुष, युवा और बच्चे भजनों की धुन पर जयघोष करते हुए शामिल हुए। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। मंदिर परिसर में प्रख्यात पंडित रवि प्रकाश शर्मा एवं सहयोगी आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भगवान शिव परिवार की मूर्तियों की प्राण

प्रतिष्ठा संपन्न कराई। मुख्य यजमान के रूप में त्रिपुरारी लाल ठाकुरिया, हरी कूलवाल एवं मातादीन ने सपत्नीक पूजा-अर्चना की। धार्मिक अनुष्ठान के बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मोहित ठाकुरिया, राजेश जैन, अशोक अग्रवाल, राजेश बड़ाया, देबू खंडेलवाल, पुष्पेंद्र, जलसिंह सैनी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मंडावर रिफाइनरी उद्घाटन के ऐतिहासिक क्षण का बना साक्षी, प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन उत्साह से सुना गया

नगर पालिका सभागार में हुआ सीधा प्रसारण, विकसित भारत के संकल्प के साथ डिजिटल लर्निंग सर्टिफिकेट भी किए गए जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे के नगर पालिका सभागार में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बाड़मेर से रिफाइनरी उद्घाटन कार्यक्रम के लाइव प्रसारण का सामूहिक रूप से अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, नगर के गणमान्य नागरिक तथा नगर पालिका प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन को पूरे उत्साह के साथ सुना गया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और राजस्थान के समग्र विकास के संकल्प को दोहराते हुए बाड़मेर रिफाइनरी परियोजना को प्रदेश के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति की दिशा में

महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मंडावर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल मंडावर के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ सहित पालिका के अधिशासी अधिकारी सुमेर सिंह मीणा व अनेक पदाधिकारी एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं के डिजिटल लर्निंग सर्टिफिकेट भी जारी किए गए तथा अंत में भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों के बीच कार्यक्रम का समापन हुआ।

मंडावर के पहाड़बंद हनुमान मंदिर में आज होगी समाज सुधार की अहम बैठक, प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था की संभाली कमान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे के पहाड़बंद हनुमान मंदिर परिसर में रविवार को समाज सुधार से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श के लिए ग्रामीणों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी। बैठक में करीब 100 से 200 लोगों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के लिए ग्रामीणों द्वारा पूर्व में तहसील प्रशासन से अनुमति प्राप्त की गई थी, जिसके बाद प्रशासन ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। तहसील प्रशासन ने बैठक के दौरान शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंडावर थाना पुलिस को सूचना देकर सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही भू-अभिलेख निरीक्षक मंडावर-ऊकरूंद तथा मंडावर, धौलखेड़ा और जटवाड़ा हल्कों के पटवारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि बैठक के दौरान सतत निगरानी बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल उच्च अधिकारियों एवं पुलिस प्रशासन को सूचित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

एमएसपी पर फसलें क्यों नहीं खरीद रहे: हाईकोर्ट

7 साल से केंद्र नहीं दे रहा जवाब, 2019 में जारी किए थे नोटिस

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर किसानों की उपज की सरकारी खरीद नहीं होने पर सवाल उठाए हैं। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पूछा कि जब फसलों को एमएसपी पर खरीदने का प्रावधान है, तो फिर खरीद क्यों नहीं की जा रही है? कोर्ट ने भारतीय खाद्य निगम (FCI) और राजफेड (RAJFED) को इस मामले में पक्षकार बनाने के निर्देश दिए हैं। अब इस मामले में अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। किसान नेता रामपाल जाट

की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा- केंद्र सरकार को इस मामले में साल 2019 में ही नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। कोर्ट ने अब एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (स्त) को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया है। याचिकाकर्ता ने एमएसपी दरों पर ही फसलों की खरीद सुनिश्चित करने की मांग को लेकर यह याचिका दायर की थी। इसमें साल 2012 के बाद से बाजरे की एमएसपी पर सरकारी खरीद न होने से किसानों को हुए नुकसान का जिक्र किया गया है। साथ ही, मक्का, चना और मूंग की सरकारी खरीद न होने से हुए नुकसान का भी हवाला दिया गया है। याचिका में 'वेयरहाउसिंग विकास और विनियमन अधिनियम, 2007' के नियमों का कड़ाई से पालन करवाने का आग्रह किया गया है।

परिजनों ने मना किया तो भी पंचनामा बनाना था जरूरी

हाईकोर्ट ने दौसा पुलिस पर जताई नाराजगी, कहा-पंचनामा नहीं बनाना पुलिस की गंभीर चूक

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । हाईकोर्ट ने नाबालिग की हत्या के मामले में पुलिस के पंचनामा नहीं बनाने पर इसे गंभीर चूक बताते हुए नाराजगी जताई है। हाईकोर्ट ने दौसा जिले के मंडावर इलाके में साल 2022 में 15 साल के किशोर की हत्या के बाद पंचनामा नहीं बनाने को गंभीर चूक करार दिया है। हाईकोर्ट ने आरोपी राजेंद्र और एक बाल अपचारी की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने पुलिस के कामकाज की शैली पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि नाबालिग के परिजनों ने पोस्टमॉर्टम के लिए मना किया था तो भी शव का पंचनामा तैयार करवाना अस्पताल में मौजूद पुलिस अधिकारी की ड्यूटी थी। पंचनामा नहीं बनाना पुलिस जांच की गंभीर और जानबूझकर छोड़ी गई कमी है।

आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज

जस्टिस रवि चिरानिया ने मामले की सुनवाई करते हुए आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ कोर्ट ने 7 अक्टूबर 2024 को प्रसंज्ञान ले लिया है, इसलिए इस स्टेज पर जमानत नहीं दी जा सकती। आरोपियों की तरफ से तर्क दिया गया था कि घटना 12 मई 2022 की है और एफआईआर देरी से 15 जून 2022 को दर्ज कराई गई है, लेकिन कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया।

मृतक के पिता ने पहले पुलिस को किसी के खिलाफ शिकायत नहीं होने की बात कही थी और पोस्टमॉर्टम से भी इनकार किया था, यह सब लिखित में दिया गया था। पुलिस ने जांच के बाद अंतिम रिपोर्ट (FR) पेश कर दी थी। बाद में कोर्ट ने परिवादी की प्रोटेस्ट पिटीशन पर 7 अक्टूबर 2024 को संज्ञान लेकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए थे। कोर्ट में परिवादी ने कहा कि आरोपियों और उनके परिजनों ने जांच को प्रभावित किया और पोस्टमॉर्टम नहीं होने दिया। मृतक का अंतिम संस्कार भी देर रात जल्दबाजी में किया गया।

आखिरी दिन प्रज्ञानंद ने मारी बाजी, लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आखिरी दिन लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की।

इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने

भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं।ब्लिट्ज सेक्शन में अभी 18 दौर के मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। फिलहाल, अनीश गिरी आठ अंकों पर हैं और वह डीक बोग्डन-डेनियल तथा नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से एक पूरा अंक आगे हैं। इसके विपरीत, इवान सारिक के खाते में केवल दो अंक हैं और वह अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद ने आखिरी तीन राउंड में विपक्षी दिग्गजों को कैसे मात दी

प्रज्ञानंद के लिए दिन की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे इवान सारिक के खिलाफ शुरुआती चालों के बाद ही भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में आ गए थे। कारो-कैन डिफेंस की वजह से प्रज्ञानंद को शुरुआत से ही सक्रिय स्थिति मिल गई थी। हालांकि इसे जीत में बदलने में लंबा समय लगा, लेकिन प्रज्ञानंद का खेल पर पूरा नियंत्रण बना रहा। दूसरे मुकाबले में प्रज्ञानंद ने पेट्रोफ डिफेंस का सामना करते हुए डीक बोग्डन-डेनियल की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। खेल की 15वीं चाल तक ही परिणाम की तस्वीर साफ होने लगी थी। रोमानियाई खिलाड़ी ने जल्द ही अपना एक मोहरा गंवा दिया और वह मुकाबले में दोबारा वापसी नहीं कर सके।दिन के आखिरी मैच में प्रज्ञानंद ने आम तौर पर मजबूत माने जाने वाले अनीश गिरी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कैटलन ओपनिंग के जरिए एक प्यादा जीता और फिर बेहतरीन टैक्टिकल सूझबूझ दिखाते हुए मैच को कुशलता से समाप्त किया। यह मुकाबला महज 34 चालों में ही खत्म हो गया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन कुछ अलग साबित हुआ

प्रज्ञानंद के विपरीत, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन थोड़ा अलग और मिलाजुला रहा। वह अपने तीनों मुकाबले ड्रॉ ही खेल सके, जिसके कारण वह शीर्ष रेस में थोड़े पीछे रह गए। अब्दुसत्तोरोव, कीमर और अलीरेजा इन तीनों ही खिलाड़ियों ने गुकेश के साथ अंक बांटे।

रैपिड सेक्शन के 9 दौर के बाद क्या है अंक तालिका की स्थिति

पहला-दूसरा स्थानः फिरौज्जा अलीरेजा (फ्रांस), आर प्रज्ञानंद (भारत)- 12 अंक प्रत्येक
तीसरा-चौथा स्थानः मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव (फ्रांस), नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान)- 11 अंक प्रत्येक
पांचवां-छठा स्थानः डी गुकेश (भारत), विंसेंट कीमर (जर्मनी)- 10 अंक प्रत्येक
सातवां स्थानः अनीश गिरी (नीदरलैंड)- 8 अंक
आठवां-नौवां स्थानः डीक बोग्डन-डेनियल (रोमानिया), जॉर्डन वैन फोरेस्ट (नीदरलैंड)- 7 अंक प्रत्येक
दसवां स्थानः इवान सारिक (क्रोएशिया)- 2 अंक

मेसी के विश्वकप में 20 गोल

एम्बाप्पे पर बनाई बढ़त गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

मियामी, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने फिर गोल किया और केप वर्डे के खिलाफ फीफा विश्व कप का लगातार आठवां मैच था जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान ने कम से कम एक गोल दागा है। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने करियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

मेसी ने दागा मौजूदा विश्व कप का सातवां गोल

इस साल टूर्नामेंट में मेसी का यह सातवां गोल था और गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेसी 12 गोल कर चुके हैं। मेसी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिए खेलने वाले रॉड्रिगो डि पॉल ने कहा, मेरे लिए मेसी की दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।मेसी ने मार्टिनेज के पास पर केप वर्डे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेसी और एम्बाप्पे के अलावा नॉर्वे के एर्लिंग हालंद और इंग्लैंड के हैरी केन भी पांच-पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, ब्राजील के विनिशियस जूनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार-चार गोल किए हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है।

कभी गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं मेसी

नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप वर्डे को हराकर अर्जेंटीना भी अगले दौर में पहुंच चुका है। मेसी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एम्बाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे, जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे। अगर टूर्नामेंट के बाद शीर्ष पर टाई रहता है तो फीफा पहले टाइब्रेकर के रूप में यह देखेगा कि कितने गोल में मदद की है और दूसरा टाइब्रेकर यह होगा कि मैदान पर किसने कम समय बिताया है। एमेबाप्पे गोल में सहायता के मामले में मेस्सी से 2-0 से आगे हैं।

पेनल्टी शूटआउट में मिस्र का कमाल ऑस्ट्रेलिया को हरा राउंड ऑफ-16 में

डलास, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए।

मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा।दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओ'नील की फ्री-किक पर मिस्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया।

दोनों टीमों को मिले मौके

अतिरिक्त समय में मिस्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया। इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया।निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। मिस्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली। स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह ने भी शानदार 'पानेन्का' शैली में पेनल्टी को गोल में बदल दिया। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन पेनल्टी चूक गए, जिससे मिस्र ने 4-2 से जीत दर्ज कर ली।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश

फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास?

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई

फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग भारत के लिए मुश्किल रही थी

राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया।यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा

होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

अल-नासर को मिला नया कोच, एंजे को मिली कमान

सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है।एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।'पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी। इसके अलावा वह सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देंगे। इस समय 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल की ओर से फीफा विश्व कप 2026 में खेल रहे हैं। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पेनल्टी के जरिए बराबरी का गोल दागा था। हालांकि बाद में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया और गोंकालो रामोस ने विजयी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास

जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी। सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने तीसरे दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6(4) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (चौथे दौर) में जगह बना ली। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फेडरर की बराबरी, अब सिर्फ एक खिलाड़ी आगे

39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज अब विंबलडन में पुरुष एकल के इतिहास में सबसे ज्यादा 105 मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोजर फेडरर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पूरे इतिहास में उनसे आगे सिर्फ महिला टेनिस की दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 एकल मुकाबले जीते हैं।

जोकोविच बोले- इतिहास बनाना मेरे लिए सम्मान की बात

जीत के बाद जोकोविच ने कहा कि इस खेल में इतिहास रचना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में इतिहास बनाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। खासकर विंबलडन में, क्योंकि बचपन से यही मेरा सपना रहा है। मैं 105 या 106 जीत के बारे में नहीं सोच रहा, मेरा पूरा ध्यान हर मैच जीतने पर है।'उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं सामान्य से ज्यादा दबाव में था। मुझे पता था कि मुकाबला आसान नहीं होगा। मैं खुश हूं कि इसे जीत पाया। अब मैं चाहता हूं कि 106वीं जीत के लिए मेरा मुकाबला रोजर फेडरर से ही हो जाए।'

रिंदरकनेच ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे दौर में स्टेफानोस सित्सिपास को सीधे सेटों में हराने वाले जोकोविच इस बार अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए। फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच ने पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और रोमांचक रैलियां देखने को मिलीं। रिंदरकनेच ने कई शानदार सर्विस और वॉली से दर्शकों को प्रभावित किया, लेकिन टाई-ब्रेक में जोकोविच के अनुभव ने बाजी पलट दी।

अब चौथे दौर में रोमन सफियुलिन से मुकाबला

अब जोकोविच का सामना चौथे दौर में क्वालिफायर रोमन सफियुलिन से होगा। सफियुलिन ने तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। चोटों से जूझने वाले सफियुलिन ने इस साल विंबलडन से पहले टूर स्तर पर एक भी मैच नहीं जीता था।

विंबलडन में सबसे ज्यादा एकल मैच जीत

मार्टिना नवरातिलोवा	120 जीत
रोजर फेडरर	105 जीत
नोवाक जोकोविच	105 जीत

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.65 अरब डॉलर घटा, स्वर्ण भंडार में भारी कमी

पश्चिम एशिया संघर्ष और रुपए पर दबाव के बीच गिरावट जारी

नई दिल्ली।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 26 जून को समाप्त सप्ताह में 5.65 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह 666.93 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, यह गिरावट पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रुपए पर बढ़ते दबाव और केंद्रीय बैंक के डॉलर बेचकर बाजार हस्तक्षेप के बाद आई है। फरवरी में 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद से विदेशी मुद्रा भंडार में कमी देखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 11 मई से देशवासियों से विदेशी मुद्रा की बचत करने, विदेश यात्राएं कम करने और एक वर्ष तक सोने की खरीदारी से बचने की अपील की है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, इस सप्ताह स्वर्ण भंडार का मूल्य सर्वाधिक 5.39 अरब डॉलर घटकर 102.54 अरब डॉलर रह गया। वहीं, विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 15 करोड़ डॉलर और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.9 करोड़ डॉलर कम हो गए। एक अन्य आर्थिक घटनाक्रम में, शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई और बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। आईटी शेयरों में शानदार खरीदारी और अनुकूल वैश्विक संकेतों से बाजार को मजबूती मिली।

सरकार गोल्ड मोनेटाईजेशन स्कीम 2.0 लॉन्च करने की तैयारी में

जौहरियों को बनाया जाएगा कलेक्शन पार्टनर, 1,000 टन सोना लाने का लक्ष्य

मुंबई ।

केंद्र सरकार एक बार फिर अपनी गोल्ड मोनेटाईजेशन स्कीम (जीएमएस) को नए सिरे से पेश करने की तैयारी में है। इसका मुख्य उद्देश्य घरों और लॉकरों में पड़े अनुमानित 25,000 टन निष्क्रिय सोने को औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाना है, जिससे देश का भारी सोने का आयात बिल कम हो सके और नकदी प्रवाह बढ़ सके। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई योजना में जौहरियों को भी कलेक्शन पार्टनर के रूप में शामिल किया जा सकता है, जिससे लोगों के लिए सोना जमा कराना आसान और भरोसेमंद बने। सरकार का लक्ष्य कुल 25,000 टन में से करीब 1,000 टन सोना बाजार में लाना है। यदि इसका सिर्फ 5 फीसदी हिस्सा भी सिस्टम में आता है, तो अर्थव्यवस्था में लगभग 8.5 लाख करोड़ रुपए की नकदी जुड़ सकती है और सोने का आयात बिल काफी कम हो सकता है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील से भी जुड़ी है, जिसमें उन्होंने लोगों से एक साल तक सोना न खरीदने की सलाह दी थी। 2015 में शुरू हुई जीएमएस का प्रदर्शन कमजोर रहा, 10 सालों में सिर्फ 38 टन सोना जुटाया जा सका। इसकी मुख्य वजहें भावनात्मक लगाव, टैक्स का डर, और ब्याज दरों (2.25-2.5 फीसदी) तथा सोने की कीमतों पर अनिश्चितता थीं। नई योजना इन चुनौतियों को दूर करने का प्रयास करेगी।

आईपीओ में म्यूचुअल फंडों की रिकॉर्ड भागीदारी, छोटे शेयरों की ओर बढ़ा रुझान

परिसंपत्ति प्रबंधक अब 4,000 करोड़ रुपये से कम पूंजी वाली कंपनियों पर लगा रहे दांव

नई दिल्ली ।

ईरान युद्ध के बाद से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में म्यूचुअल फंडों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। प्राइमडेटाबेस डॉट कॉम के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत में युद्ध शुरू होने के बाद से आए 13 आईपीओ में जुटाई गई कुल रकम का 32.3 फीसदी हिस्सा म्यूचुअल फंडों से आया है, जो पहले के 20 फीसदी के आंकड़े से कहीं अधिक है। यह बढ़ोतरी कई वर्षों के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो छोटे बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों के प्रति परिसंपत्ति प्रबंधकों के बढ़ते रुझान को दर्शाती है। बढ़ती हिस्सेदारी का वार्षिक विश्लेषण- यह रुझान 2023 से लगातार बढ़ता दिख रहा है। 2023 में आए आईपीओ से मिली कुल रकम का 17 फीसदी हिस्सा म्यूचुअल फंडों ने खरीदा था, जो 2024 में बढ़कर 20 फीसदी, 2025 में 22 फीसदी और जून 2026 तक 29 फीसदी तक पहुंच गया। हालांकि, ईरान युद्ध के बाद के 13 आईपीओ में यह आंकड़ा 32.3 फीसदी के साथ सबसे अधिक रहा, जो बाजार में म्यूचुअल फंडों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। एक फाइनैंशियल सर्विसेज के अनुसार हाल के समय में बड़ी कंपनियों के मुकाबले छोटी कंपनियों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

शेयर बाजार का तूफानी हफ्ता, सुस्त शुरुआत के बाद धमाकेदार अंत

शुरुआती दो दिनों में भू-राजनीतिक तनाव और मासिक एक्सपायरी ने बाजार को डुबोया

मुंबई ।

सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शुरू हुआ कारोबारी हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। सोमवार और मंगलवार को वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और मासिक एक्सपायरी की अस्थिरता के कारण बाजार लाल निशान में रहे, जिससे निवेशकों में चिंता का माहौल रहा। हालांकि, बुधवार और गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते बाजार ने शानदार वापसी की। सप्ताह के अंत तक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों रिकॉर्ड नई ऊंचाइयों पर बंद होने में कामयाब रहे, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल दिखा। हफ्ते की शुरुआत सोमवार 29 जून को भारतीय शेयर बाजार में भू-राजनीतिक तनाव के चलते सुस्ती के साथ हुई। सोमवार को शुरुआती बढ़त के बाद सेंसेक्स लाल निशान पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी भी गिरावट के साथ अपने अहम 24,000 के स्तर से नीचे आ गया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां मासिक एक्सपायरी की अस्थिरता के बीच प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन लाल निशान में बंद हुए। इन दो कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमशः लगभग 0.48 फीसदी और 0.46 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे खिसक गया। हालांकि, बुधवार को बाजार ने जोरदार वापसी की। वैश्विक इक्विटी में सकारात्मक रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में कमी ने निवेशकों को सहारा दिया, जिसके परिणामस्वरूप सेंसेक्स 443.97 अंक (0.58 फीसदी) और निफ्टी 140.10 अंक (0.59 फीसदी) की बढ़त के साथ बंद हुए।

सेडान स्लाविया का मिड-लाइफ फेसलिफ्ट वर्जन जल्द होगा लांच

नई दिल्ली ।

स्कोडा की लोकप्रिय सेडान स्लाविया का मिड-लाइफ फेसलिफ्ट वर्जन इस साल अगस्त में लॉन्च होने वाला है। उम्मीद है कि अपडेटेड स्लाविया एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों में कई बड़े बदलावों के साथ आएगी, जिससे यह बाजार में अपनी स्थिति और मजबूत कर सके। एक्सटीरियर में सबसे बड़ा बदलाव फ्रंट लुक में दिखेगा, जहां पहले से बड़ी और अधिक बोल्ड फ्रंट ग्रिल दी जाएगी। इसमें नए डिजाइन वाले मोटे स्लैट्स और नई स्लिम एलईडी हेडलाइट्स होंगी, जिनके अंदर का डिजाइन भी पूरी तरह नया होगा। एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स (डीआरएल) का डिजाइन भी बदला जाएगा, जिसमें कुशाक फेसलिफ्ट की तरह डॉटेड कनेक्टेड पैटर्न देखने को मिल सकता है। इसके अलावा, फ्रंट बंपर को भी नए डिजाइन के साथ ऑफर किया जाएगा। कार के रियर में भी बदलाव किए जाएंगे, जिसमें नए डिजाइन की एलईडी टेललाइट्स मिलेंगी। साथ ही, कुशाक की तरह इल्यूमिनेटेड स्कोडा लेटरिंग भी देखने को मिलेगा, जिससे कार का प्रीमियम लुक बढ़ेगा। रियर बंपर का डिजाइन भी नया होगा, जो समग्र रूप से एक ताज़ा और आधुनिक अपील देगा।

आरबीआई ने बीओबी पर लगाया 63.6 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानकों के उल्लंघन के आरोप में बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक के निरीक्षण में इन वित्तीय संस्थाओं में कई कमियां उजागर हुईं। बैंक आफ बड़ौदा पर 63.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि एक वैधानिक निरीक्षण में पाया गया कि बैंक ने कुछ ऋण खातों में निर्धारित दर से अधिक ब्याज वसूला। इसके अतिरिक्त, बैंक कुछ ग्राहकों के केवाईसी रिकॉर्ड को निर्धारित समयसीमा के भीतर सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री पर अपलोड करने में भी विफल रहा। इसी क्रम में जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 3.1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। कंपनी केवाईसी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के साथ-साथ खातों के जोखिम वर्गीकरण की छह महीने में एक बार समीक्षा करने की प्रणाली लागू करने में नाकाम रही। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि ये जुर्माने केवल नियामक अनुपालन में पाई गई कमियों के लिए हैं और इनका उद्देश्य किसी भी लेनदेन की वैधता पर टिप्पणी करना नहीं है।

आर्थिक आंकड़ों में बड़ा बदलाव, वास्तविक जीडीपी गणना में अब पीपीआई डिफ्लेटर

जून तिमाही से लागू होगी नई गणना प्रणाली; 31 अगस्त को जारी होंगे संशोधित अनुमान

नई दिल्ली ।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने भारतीय आर्थिक आंकड़ों की गणना में एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। मंत्रालय अब जून तिमाही (वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही) से वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों की गणना के लिए आउटपुट उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को डिफ्लेटर के तौर पर इस्तेमाल करेगा। यह कदम देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतक के आकलन के तरीके में एक संरचनात्मक परिवर्तन लाएगा, जिसका उद्देश्य आर्थिक वास्तविकताओं को अधिक सटीक रूप से प्रतिबिंबित करना है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, सांख्यिकी मंत्रालय 31 अगस्त को पिछले वर्षों के लिए संशोधित वास्तविक जीडीपी अनुमान भी जारी करेगा, जिसमें डिफ्लेटर के तौर पर आउटपुट पीपीआई का इस्तेमाल किया जाएगा। इसी दिन वित्त वर्ष 2027 की अप्रैल-जून अवधि के लिए राष्ट्रीय लेखा के आंकड़े भी जारी किए जाएंगे। इस बदलाव का सीधा असर पिछले तीन वित्त वर्षों के आंकड़ों पर पड़ेगा। एक अधिकारी ने बताया, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही का जीडीपी डेटा आउटपुट पीपीआई पर आधारित होगा। वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए जारी अनुमान स्थिर कीमतों पर अनुमान से बदल जाएंगे क्योंकि अब इसमें पीपीआई को शामिल किया जाएगा। संशोधित श्रृंखला अगस्त में आएगी। यह महत्वपूर्ण निर्णय सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा 29 जून को जारी औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के आंकड़ों के बाद आया है, जिसमें थोक मूल्य सूचकांक (WPI) की जगह आउटपुट-पीपीआई का इस्तेमाल डिफ्लेटर के तौर पर किया गया था। इस पृष्ठभूमि में, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने 15 जून को भारत का पहला उत्पादक मूल्य सूचकांक ढांचा जारी किया था, जिसमें आउटपुट पीपीआई, इनपुट पीपीआई और सेवा पीपीआई शामिल हैं।

ईपीएफओ पोर्टल का बड़ा अपग्रेड यूएएन सेवाएं अब उमंग ऐप पर

सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ी, पोर्टल पर यूएएन ढूंढना हुआ आसान

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल को नए इंटरफेस और बेहतर सुरक्षा सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया है। एक सप्ताह के रखरखाव के बाद दोबारा शुरू हुए इस पोर्टल पर अब यूएएन एक्टिवेशन और नया यूएएन जनरेट करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं सीधे उपलब्ध नहीं होंगी। इन्हें सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से उमंग ऐप पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस बड़े बदलाव के बाद, अब ईपीएफओ सदस्य उमंग ऐप के माध्यम से ही अपने यूएएन को एक्टिवेट कर सकेंगे। इसके लिए आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन का उपयोग किया जा सकेगा।

इसी तरह नया यूएएन जनरेट करने या पहले से मौजूद पीएफ खाते से नए यूएएन को लिंक करने की प्रक्रिया भी अब केवल उमंग ऐप पर ही उपलब्ध होगी, जिसके लिए मोबाइल नंबर सत्यापन आवश्यक होगा। हालांकि ईपीएफओ ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर यूएएन ढूंढना पहले से आसान बना दिया है। सदस्य अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर दर्ज कर, पहचान प्रमाण अपलोड करने और ओटीपी सत्यापन के बाद अपना यूएएन दोबारा प्राप्त कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त सदस्य की मृत्यु के बाद नॉमिनी या लाभार्थी द्वारा किए जाने वाले डेथ क्लेम और पेंशन से जुड़े दावे पहले की तरह ईपीएफओ के यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेंगे। उमंग भारत सरकार का एक आधिकारिक ऐप है, जो ईपीएफओ सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं को नागरिकों के लिए अधिक सुरक्षित, डिजिटल और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाता है।

इस कदम का उद्देश्य सेवाओं को और अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाना है।

निर्यात में दोहरे अंक की वृद्धि का अनुमान

वित्त वर्ष 27 तक 1 ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य की ओर भारत

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की कि भारत को चालू वित्त वर्ष में वस्तु निर्यात में 16-17 प्रतिशत और सेवा निर्यात में 10-11 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। व्यापार बोर्ड की बैठक में उन्होंने बताया कि यह अनुमान भारत को वित्त वर्ष 2027 तक वस्तु निर्यात में लगभग 515 अरब और सेवा निर्यात में 470 अरब तक पहुंचने में मदद करेगा, जिससे देश कुल 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य की ओर अग्रसर होगा। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, बैठक में सतत और तकनीकी टेक्सटाइल, परफॉर्मेंस अपैरल और मेडिकल टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में उभरते अवसरों की पहचान की गई। निर्यात प्रोत्साहन प्रयासों को क्षेत्रीय विनिर्माण क्षमता से जोड़ने के लिए राज्य-केंद्रित उत्पादन का खाका भी प्रस्तुत किया गया। व्यापार नीति पर शीर्ष सलाहकार संस्था, बीओटी की बैठक में भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का प्रभावी ढंग से उपयोग करने, आयात का विकल्प तैयार करने और डंपिंग को रोकने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सरकार इस साल कम से कम दो और एफटीए लागू करने की तैयारी में है। एफटीए के इस्तेमाल को अधिकतम करने के लिए एक पांच-सूत्रीय रणनीतिक फ्रेमवर्क पर चर्चा की गई, जिसमें मौजूदा निर्यात को बढ़ावा देना, नए क्षेत्रों में विविधता लाना और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना शामिल है।

सस्ते आयात से एल्युमीनियम उद्योग पर खतरा, सरकार से शुल्क बढ़ाने की मांग

घरेलू निवेश और सरकारी राजस्व पर पड़ रहा है गंभीर असर

नई दिल्ली ।

एल्युमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) ने सरकार से एल्युमीनियम उत्पादों पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) बढ़ाने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि सस्ते आयात और वैश्विक संरक्षणवाद के बढ़ते दबाव से घरेलू निवेश और सरकारी राजस्व पर गंभीर असर पड़ रहा है। एएआई ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को लिखे एक पत्र में कहा है कि भारतीय एल्युमीनियम उद्योग फिलहाल आयात में तेजी से वृद्धि और निर्यात बाजारों तक पहुंच में कमी जैसी दोहरी समस्याओं से जूझ रहा है। संगठन ने अनुमान लगाया है कि यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रहती है, तो वित्त वर्ष 2025-2026 में एल्युमीनियम आयात रिकॉर्ड 34.8 लाख टन प्रति वर्ष तक पहुंच सकता है, जिससे देश से 88,400 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बाहर जाएगी। एएआई ने बताया कि भारतीय एल्युमीनियम उद्योग देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, प्रति वर्ष लगभग 30,000 करोड़ रुपये का राजस्व देता है, आठ लाख नौकरियां प्रदान करता है और लगभग 4,000 एमएसएमई का समर्थन करता है। संगठन ने चेतावनी दी है कि बढ़ते आयात से प्रमुख उत्पादकों के 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर खतरा मंडरा रहा है। ये निवेश भविष्य में भारत की प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन क्षमता को दोगुना कर 90 लाख टन प्रति वर्ष तक पहुंचाने और एक लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा करने की क्षमता रखते हैं।

बच्चों के शोषण पर मेटा की जवाबदेही तय आईटी मंत्रालय ने भेजा समन

राजस्व से जुड़े मामलों में ज़िम्मेदारी से नहीं बच पाएगी कंपनी

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों के गंभीर आरोपों के मद्देनजर इंटरनेट कंपनी मेटा को तलब किया है। मंत्रालय ने कंपनी के एल्गोरिदम और ऐसे मामलों में उसकी जवाबदेही पर स्पष्टीकरण मांगा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि राजस्व से जुड़े ऐसे मामलों में मेटा तीसरे पक्ष की सामग्री का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के निर्देश पर मंत्रालय ने मेटा से स्पष्टीकरण तलब किया है। यह कार्रवाई बीबीसी की उस रिपोर्ट के बाद की गई है जिसमें दावा किया गया था कि मेटा के प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री वाले वीडियो और विज्ञापन उसके एल्गोरिदम द्वारा बढ़ावा दिए जा रहे थे, भले ही कंपनी की नीतियां इसकी अनुमति नहीं देती हैं। मंत्रालय ने मेटा से ऐसे विज्ञापनों की स्वीकृति, सुधारात्मक उपायों और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए किए गए सुरक्षा उपायों पर विस्तृत जानकारी मांगी है। यह इस सप्ताह मेटा के खिलाफ दूसरी नियामक कार्रवाई है। इससे पहले सरकार ने व्हाट्सऐप के 'यूजरनेम' फीचर को लेकर भी मेटा को नोटिस जारी कर उसे रोकने का निर्देश दिया था। आईटी अधिनियम की धारा 67बी के तहत बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री का प्रकाशन एक दंडनीय अपराध है।

मेटा ने अपने बयान में कहा है कि उसकी बाल यौन शोषण सामग्री के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति है और वह ऐसी सामग्री को हटाने के लिए उन्नत एआई का उपयोग करती है।

फार्मा कंपनियों को राहत, अब दवा की वास्तविक ओवरचार्जिंग पर ही होगी कार्रवाई

शर्तों का पालन अनिवार्य; नई दवाओं के लॉन्च की प्रक्रिया भी आसान हुई

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश (डीपीसीओ), 2013 में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। 30 जून को जारी इन बदलावों से दवा उद्योग को नियामक अनुपालन में आसानी होगी, वहीं नियमों का पालन और भी मजबूत बनेगा। विशेष रूप से, ओवरप्राइसिंग के मामलों में कंपनियों पर लगने वाला बोझ कम होगा और प्रक्रियाएं अधिक स्पष्ट होंगी।

उद्योग जगत ने इन संशोधनों का स्वागत किया है। संशोधित नियमों के अनुसार यदि सरकार द्वारा तय नई कीमत लागू होने के बाद कोई मूल्य-नियंत्रित दवा अधिक दाम पर बेची जाती है, तो ऐसे मामलों में दवा कंपनियों को पहले से अधिक राहत मिलेगी। अब यदि कंपनी यह साबित कर देती है कि उसने नई कीमतों की जानकारी सभी संबंधित वितरकों और खुदरा विक्रेताओं तक सही ढंग से पहुंचाई थी, तो उसकी जिम्मेदारी केवल उतनी ही दवाओं तक सीमित होगी जितनी मात्रा वास्तव में अधिक कीमत पर बेची गई हो। इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस (आईपीए) के महासचिव सुदर्शन जैन ने इन बदलावों का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रक्रियाएं आसान होंगी और डीपीसीओ नियमों का पालन मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था अब अधिक न्यायसंगत और स्पष्ट होगी, जिससे आपूर्ति श्रृंखला में सभी की जवाबदेही तय होगी। हालांकि, इस राहत के साथ कुछ सख्त नियम भी जोड़े गए हैं। कंपनियों को यह साबित करना होगा कि उन्होंने नई कीमतों की सूची सभी डीलरों और खुदरा विक्रेताओं को भेजी, कीमतों में कमी की सूचना कम से कम दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई, अपनी वेबसाइट पर नई कीमतें अद्यतन कीं, संशोधित मूल्य सूची जारी की और प्रत्येक बैच के उत्पादन व स्टॉक का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा।

सरकार ने कुछ अन्य प्रक्रियाओं को भी आसान बनाया है। यदि कोई दवा निर्माता ऐसी नई दवा बाजार में लाता है जिसकी खुदरा कीमत सरकार पहले ही तय कर चुकी है, और वह दवा उसी कीमत तय होने के 12 महीने के भीतर लॉन्च की जाती है, तो कंपनी को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) से दोबारा कीमत की मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं होगी। अब उसे केवल नए फॉर्म 1ए के माध्यम से दवा लॉन्च होने की जानकारी एक महीने के भीतर देनी होगी।

आरबीआई की एफसीएनआर (बी) योजना ने खींचा अनिवासी भारतीयों का ध्यान

60 अरब डॉलर की उम्मीद, खाड़ी देशों से डॉलर की बौछार तय, अमेरिका-यूरोप से कम उम्मीदें

नई दिल्ली।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की विशेष फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (बैंक) जमा योजना भारतीय बैंकों के लिए एक बड़े अवसर के तौर पर उभर रही है, जिसके तहत 60 अरब डॉलर से अधिक की अनिवासी भारतीय (एनआरआई) जमा राशि आकर्षित करने की उम्मीद है। खाड़ी देशों, सिंगापुर और हांगकांग के एनआरआई इस विशाल राशि के मुख्य स्रोत बनने की उम्मीद है, जिसकी अधिकांश आवक अगस्त महीने में होने का अनुमान है। शुरुआती अनुमान बताते हैं कि इस योजना के तहत अब तक लगभग 4 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जो इसके सफल आगाज का संकेत है।

योजना का खाका और बैंकों की रणनीति- आरबीआई ने 8 जून को इस योजना का खाका जारी किया था और हाल ही में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) के माध्यम से परिचालन संबंधी स्पष्टीकरण भी दिए हैं।

इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख ऋणदाताओं ने इसे सक्रिय रूप से लागू करना शुरू कर दिया है।

ये बैंक विशेष रूप से उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों (एचएनआई) को आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि यह योजना निवेशकों को 9 गुना (9×) तक लीवरेज की सुविधा प्रदान करती है। इससे पांच साल के लिए डॉलर में लगभग 18-20त्न का प्रभावी रिटर्न मिलने की उम्मीद है। यह योजना 8 जून से 30 सितंबर 2026 के बीच किए गए सभी नए एफसीएनआर(बी) जमा पर लागू होगी, जिसमें आरबीआई हेजिंग की पूरी लागत वहन करेगा।

क्षेत्रीय फोकस और चुनौतियां- बैंकरों का मानना है कि खाड़ी देशों और एशिया के अन्य बाजारों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा, क्योंकि वहां भारतीय समुदाय बड़ी संख्या में एक ही स्थान पर केंद्रित है, जैसे दुबई, अबू धाबी और सिंगापुर। वहीं अमेरिका के शेयर बाजार में जारी तेजी के कारण वहां के एनआरआई बैंक जमा के बजाय शेयर बाजार में निवेश बनाए रखना पसंद कर रहे हैं, जिससे अमेरिका और लंदन से निवेश अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है।

खाड़ी देशों में भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण एनआरआई अपने निवेश का पुनर्वितरण करने के लिए भी अधिक इच्छुक हैं।

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस में मानव तस्करी का दोषी ब्रिटेन में फर्जी पहचान के साथ रहता मिला

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में मानव तस्करी के मामले में पांच साल की जेल की सजा पा चुका इराकी कुर्द मूल का टवाना जमाल अब ब्रिटेन के लीसेस्टरशायर में रह रहा है और कथित तौर पर शरण मांग रहा है। बीबीसी की जांच में दावा किया गया है कि वह फर्जी नाम से रह रहा है, अवैध रूप से काम कर रहा है और बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चला रहा है। बीबीसी के अनुसार जमाल को 2016 में फ्रांस की अदालत ने मानव तस्करी के मामले में दोषी ठहराया था। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि वह डनकर्क के प्रवासी शिविरों से अवैध प्रवासियों को इंग्लिश चैनल पार कराकर ब्रिटेन भेजने का नेटवर्क चलाता था और इससे हर सप्ताह करीब एक लाख पाउंड तक कमाता था। जांच के दौरान बीबीसी ने उसे लीसेस्टरशायर के ब्लैबी गांव में स्थित एक मिनी-मार्ट में काम करते देखा। रिपोर्ट के मुताबिक उसने खुद को 'सुल्तान' बताया, सामना होने पर उसने कहा कि उसने ब्रिटेन में शरण के लिए आवेदन किया है और अभी फैसला लंबित है। हालांकि, उसने मानव तस्करी और फ्रांस में जेल जाने के आरोपों से इनकार किया।

पाकिस्तान तक्षशिला के दो स्थलों से हटाए पुनर्निर्माण : यूनेस्को

वाशिंगटन, एजेंसी। यूनेस्को ने पाकिस्तान सरकार को तक्षशिला के दो ऐतिहासिक स्थलों मोहरा मोरादु और सिरकप में किए गए पुनर्निर्माण को तुरंत हटाने की चेतावनी दी है। पंजाब पुरातत्व विभाग ने आधुनिक पत्थरों और कंक्रीट से प्राचीन दीवारों की ऊंचाई बढ़ा दी थी, जिससे इसकी मौलिकता प्रभावित हो गई। पर्यटक की शिकायत पर यूनेस्को ने स्पष्ट किया कि यदि निर्माण को नहीं हटाया तो तक्षशिला को विश्व धरोहर की खतरे की सूची में डाल दिया जाएगा।

पाकिस्तान : घर पर ड्रोन से हमला तीन भाई-बहनों की मौत, 8 जख्मी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक घर पर हुए संदिग्ध ड्रोन हमले में तीन भाई-बहनों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। घटना बुधवार देर रात बाजौर जिले के शिनकोट इलाके में हुई। यह इलाका पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास स्थित है। पुलिस ने बताया कि हमले में 15 और 8 साल के दो लड़कों और पांच साल की एक लड़की की मौत हो गई। यह तुरंत पता नहीं चल सका कि ड्रोन हमला किसने किया। किसी गुट ने हमले की जिम्मेदारी भी नहीं ली है।

जून में रिकॉर्ड भारतीय पर्यटकों से गुलजार रहीं नेपाल की वादियां

काठमांडू, एजेंसी। इस साल जून में नेपाल की वादियां भारतीय पर्यटकों से गुलजार रहीं। नेपाल पर्यटन बोर्ड अनुसार, पिछले महीने यहां हवाई यात्रा के जरिये रिकॉर्ड 41,809 भारतीय पर्यटक पहुंचे, जो पिछले साल के इसी महीने (32,662) की तुलना में 28% अधिक है। जून में नेपाल पहुंचने वाले कुल 91,363 विदेशी पर्यटकों में भारत के बाद अमेरिका (11,836), चीन (9,995), बांग्लादेश (4,322) और ब्रिटेन (2,500) का स्थान रहा। वहीं, पिछले छह महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो नेपाल में कुल 6,20,426 विदेशी पर्यटक पहुंचे, जो पिछले वर्ष से 7% अधिक है।

थाईलैंड : 11 साल के लड़के ने भिक्षुओं को कुचला, 8 की मौत

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक पिकअप ट्रक चला रहे 11 वर्षीय लड़के ने तीर्थयात्रा पर जा रहे भिक्षुओं के समूह को कुचल दिया। इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। मुकदहन प्रांत के कुल 35 भिक्षु तीर्थयात्रा पर थे। गवर्नर वोरयान बूननारत ने कहा, पांच भिक्षु मौके पर ही मारे गए जबकि तीन अन्य भिक्षुओं ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस ने कहा, चालक ने वाहन पर नियंत्रण खोकर सड़क किनारे चल रहे समूह को रौंद दिया। बूननारत ने बताया कि 14 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि लड़का फिलहाल हिरासत में है। पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच जारी है।

खामनेई के अंतिम संस्कार से पूर्व ईरान ने चेताया कहा-गलतफहमी से बचें

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने इस्राइल-अमेरिका को देश पर किसी भी तरह के हमले के प्रति चेतावनी दी है। कहा कि आक्रामकता दिखाई तो जवाब भयंकर होगा। यह चेतावनी ऐसे समय पर दी गई है जब ईरान अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई के राजकीय अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है। अंतिम संस्कार का जुलूस 4 जुलाई को तेहरान में शुरू होकर 9 जुलाई को उनके गृहनगर (मशहद) में दफनाने के साथ खत्म होगा।

रूस का कीव पर भीषण मिसाइल एवं ड्रोन हमला, 17 लोगों की मौत

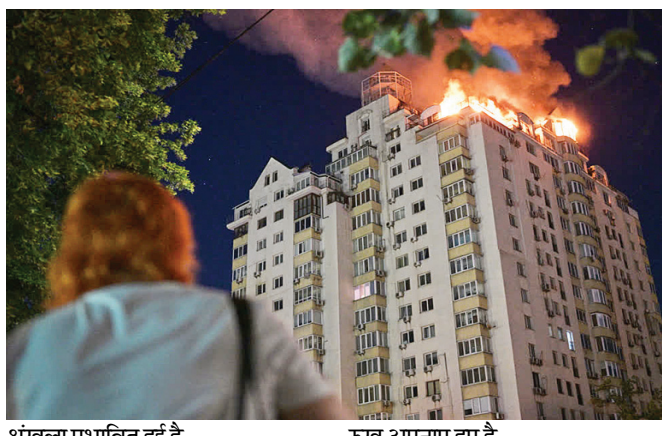

कीव , एजेंसी। रूस ने गुरुवार रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों और ड्रोन से भीषण हमला किया जिसमें कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 90 से अधिक अन्य घायल हो गए. हमलों के दौरान कई घंटों तक राजधानी में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं. रूस ने इस हमले को यूक्रेन की ओर से मॉस्को के तेल प्रतिष्ठानों पर किए गए हमलों का प्रतिशोध बताया है. यूक्रेन के इन हमलों से रूस में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बढ़ा है. बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन से किए गए इस हमले में राजधानी के कई हिस्सों में आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अन्य अधिकारियों की ओर से हमले को लेकर पहली बार सतर्क किए जाने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने सबवे स्टेशनों में शरण ली.

रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह हमला यूक्रेन की ओर से रूस के नागरिक बुनियादी ढांचे पर किए गए हमलों के जवाब में किया गया. हाल के सप्ताहों में रूस ने कीव पर अपने हमले और तेज कर दिए हैं। वहीं, यूक्रेन भी रूस के सैन्य ठिकानों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लगातार ड्रोन हमले कर रहा है, जिससे रूस के भीतर ईंधन की कमी पैदा हुई है और उसकी आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है.

कीव के मेयर विताली क्लित्सको ने बताया कि हमले में 17 लोगों की मौत हुई है जबकि 90 से अधिक अन्य घायल हुए हैं. यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने इस हमले को ''खौफनाक'' करार देते हुए सहयोगी देशों से यूक्रेन की वायु रक्षा क्षमता को और मजबूत करने की अपील की. उन्होंने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों और मिसाइलों की आपूर्ति से जुड़े फैसलों में अब और देरी नहीं की जानी चाहिए.

उन्होंने यूक्रेन के ड्रोन हमलों के जवाब में रूस की कार्रवाई को उचित ठहराने की किसी भी कोशिश को खारिज करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत यूक्रेन आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग कर रहा है जबकि रूस ही आक्रामक रुख अपनाए हुए है.

कीव शहर के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने बताया कि हमले में आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे समेत शहर के 30 स्थानों को नुकसान पहुंचा है. यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लीमेंको ने बताया कि करीब 20 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं. क्लित्स्को ने बताया कि देस्न्यांस्की जिले में एक क्षतिग्रस्त नौ मंजिला आवासीय इमारत में कुछ लोग फंस गए थे, जिन्हें निकालने के लिए बचाव दल को मौके पर भेजा गया. यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार, होलोसिएव्स्की जिले में 16 मंजिला एक इमारत की छत पर आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए करीब 500 कर्मियों और 100 विशेष वाहनों को तैनात किया गया. रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि इस हमले में ''लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों'' और ड्रोन का इस्तेमाल कर कीव तथा कीव क्षेत्र में सैन्य उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठानों, ईंधन एवं ऊर्जा परिसरों और यूक्रेन के चार अन्य क्षेत्रों में स्थित सैन्य हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया. मंत्रालय ने उन स्थानों की सूची भी जारी की, जिन्हें निशाना बनाए जाने का दावा किया गया है. इनमें अधिकांश यूक्रेन के ड्रोन, मिसाइल और उनके कलपुर्जों के निर्माण एवं संयोजन संयंत्र बताए गए हैं. यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने इस हमले में 74 मिसाइलें दागीं, जिनमें 24 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं. इसके अलावा विभिन्न प्रकार के 496 ड्रोन भी छोड़े गए.

इस बीच, यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने दावा किया कि उसकी सेना ने रातभर चले अभियान में मॉस्को के पूर्व में स्थित निजनी नोवगोरोद क्षेत्र की रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक पर हमला किया, जिससे वहां आग लग गई. जनरल स्टाफ ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने रूस के कब्जे वाले लुहान्स्क क्षेत्र में सिवेर्स्की दोनेत्स नदी पर बने एक रेलवे पुल को भी निशाना बनाया. उसके अनुसार, रूसी सेना इस पुल का इस्तेमाल सैनिकों, हथियारों और सैन्य सामग्री की आवाजाही के लिए कर रही थी।

यूएन हेडक्वार्टर के बाहर शख्स ने खुद को आग लगाई: अस्पताल में मौत; तिब्बती झंडे के साथ पहुंचा था, पुलिस ने जांच शुरू की

न्यूयॉर्क सिटी, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर गुरुवार को एक 52 साल के व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। उसके हाथ में तिब्बती झंडा था। सूचना मिलने पर पुलिस और इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बताया कि फिलहाल यह साफ नहीं है कि व्यक्ति ने यह कदम क्यों उठाया। मामले की जांच की जा रही है। मृतक की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है, क्योंकि उसके परिजनों को पहले सूचना दी जानी है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के वक्त सभी आधिकारिक बैठकें खत्म हो चुकी थीं। इसलिए यूएनके नियमित कामकाज पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। आग की लपटों में घिरने के एक मिनट से भी कम समय में वह जमीन पर गिर पड़ा, जबकि ट्रैफिक चलता रहा और कई गाड़ियों के हॉर्न बजते रहे। पुलिस अधिकारी और सुरक्षाकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और 15 सेकंड के भीतर आग बुझा दी। अधिकारियों ने बताया कि उस व्यक्ति को बेलेव्यू अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच, तिब्बती झंडा लगभग एक घंटे तक घटनास्थल पर ही पड़ा रहा, जबकि पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच-पड़ताल की। मौके पर मौजूद पुलिस को पर्चे इकट्ठा करते देखा गया, जिनमें से एक पर चीन तिब्बत से बाहर जाए का नारा लिखा था। यह संदेश आम तौर पर तिब्बती स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है, जिसे 'फ्री तिब्बत' अभियान के नाम से भी जाना जाता है। फ्री तिब्बत के अनुसार, 2009 से अब तक 150 से ज्यादा तिब्बतियों ने तिब्बत पर चीनी शासन के विरोध में आत्मदाह किया है। फ्री तिब्बत आंदोलन तिब्बतियों के आत्म-निर्णय के अधिकार की बहाली और तिब्बती बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की तिब्बत वापसी की वकालत करता है।

न्यूयॉर्क की एम्पायर स्टेट बिल्डिंग पर चढ़ा कपल, प्रपोज किया; दोनों गिरफ्तार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक कपल सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की चोटी पर चढ़ गया। दोनों ने वहां 'व्हेन द पावर ऑफ लव बीट्स द लव ऑफ पावर, द वर्ल्ड नोज पीस' लिखा बैनर लहराया और फिर एक-दूसरे को प्रपोज किया। इस पूरी घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। इसके बाद पुलिस और इमरजेंसी सर्विस के जवान सीढ़ियों के जरिए दोनों तक पहुंचे और उन्हें सुरक्षित नीचे उतारा। एंजेला निकोलाउ और इवान कुजनेत्सोव के खिलाफ सेंधमारी, अवैध घुसपैठ, लापरवाही से जान खतरे में डालने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि दोनों प्रतिबंधित इलाके तक कैसे पहुंचे। यह कपल पहले भी ऊंची इमारतों पर खतरनाक स्टंट करने के लिए जाना जाता है और इन पर 2024 में 'स्काईवॉकर्स: अ लव स्टोरी' नाम की डॉक्यूमेंट्री भी बन चुकी है।

पाकिस्तान: खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग; 2 अधिकारियों की मौके पर मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिम प्रांत खैबर पख्तूनख्वा से हिंसा की एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस की एक रूटीन पेट्रोलिंग टीम को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग की है।

इस घात लगाकर किए गए हमले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है,। इस घटना ने सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अंधेरे का फायदा उठाकर किया हमला : यह वारदात गुरुवार देर रात की बताई जा रही है। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग टीम अफगान सीमा के पास खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में अपनी नियमित गश्त पर थी।

हमलावरों ने पहले से ही घात लगा रखी थी और जैसे ही पुलिस की वैन लोअर मोहमंद सब-डिविजन के 'मचनी अकरब दाग' इलाके में पहुंची, उन्होंने चारों तरफ से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। हमलावरों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार होने में सफल रहे।

वरिष्ठ अधिकारियों ने गंवाई जान : इस हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गोलीबारी में एक एडिशनल स्टेशन हाउस ऑफिसर और एक हेड कॉन्स्टेबल की जान चली गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इन दोनों अधिकारियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, पुलिस वैन का ड्राइवर इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना के तुरंत बाद सभी हताहतों को नजदीकी ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत पुलिसकर्मियों के शवों का पंचनामा किया। घायल ड्राइवर की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पेशावर के एक बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन : हमले की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। जिला पुलिस अधिकारी रजा मुहम्मद और डीएसपी दिलफराज भारी पुलिस बल और अतिरिक्त सुरक्षा दस्ते के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय इनपुट के आधार पर आरोपियों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

खैबर पख्तूनख्वा में लगातार हो रही हिंसा : खैबर पख्तूनख्वा का यह इलाका लंबे समय से उग्रवाद और हिंसा की चपेट में रहा है। अफगान सीमा से सटे होने के कारण यहां अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जाता रहा है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या इस हमले के पीछे किसी विशेष आतंकवादी गुट का हाथ है। फिलहाल, पूरे जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

इंडोनेशिया के पापुआ में अमेरिकी पायलट की हत्या, अलगाववादियों ने फूंका पूरा विमान

पापुआ , एजेंसी। इंडोनेशिया के पापुआ में हथियारबंद अलगाववादी विद्रोहियों ने एक बहुत ही दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम दिया है। इन खतरनाक विद्रोहियों ने एक अमेरिकी पायलट की सरेआम गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी है और उनके विमान को भी पूरी तरह से आग के हवाले कर दिया है। इस भयानक और हिंसक हमले की पूरी जिम्मेदारी वहां के सशस्त्र अलगाववादी समूह वेस्ट पापुआ नेशनल लिबरेशन आर्मी ने ली है। अलगाववादियों ने इस हमले को इंडोनेशिया और अमेरिकी सरकार दोनों के लिए एक बहुत ही बड़ी और खतरनाक चेतावनी बताया है। संगठन का दावा है कि उनके लड़ाकों ने अमेरिकी पायलट निकोलस एफ गोसेलिन को उस समय गोली मारी जब उनका विमान जमीन पर उतरा। यह दर्दनाक घटना हाइलैंड पापुआ प्रांत के सुदूर जिले याहुकिमो में हुई है जहां उतरने के बाद विमान का अचानक संपर्क टूट गया था। इंडोनेशियाई अधिकारियों के मुताबिक इस जले हुए विमान में एक अमेरिकी पायलट और पापुआ के सात आम यात्री भी सवार थे। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में काफी ज्यादा दहशत फैल गई है और स्थानीय प्रशासन पूरी जानकारी जुटाने में लगा है। विद्रोही समूह के प्रवक्ता सेब्ब संबोम ने कहा कि इस हिंसक हमले का मुख्य मकसद जकार्ता और वॉशिंगटन को एक कड़ा संदेश देना था। उनका गंभीर आरोप है कि इस विमान ने संगठन की चेतावनियों के बावजूद बार-बार उनके कब्जे वाले क्षेत्र में अपनी उड़ान भरी थी। संबोम ने कहा कि हमारे अल्टीमेटम का सीधा उल्लंघन करने के कारण ही लड़ाकों ने तुरंत फायरिंग की और विमान को पूरी तरह जला दिया। विद्रोहियों ने यह भी आरोप लगाया है कि नागरिक विमानों का इस्तेमाल इंडोनेशियाई सेना के जवानों को सुरक्षित लाने के लिए हो रहा था। इन विमानों से सैन्य रसद और हथियारों को उन संवेदनशील इलाकों में ले जाया जा रहा था जिन पर विद्रोहियों का दावा है। संबोम ने चेतावनी दी है कि उनके रेड जोन में अगर नागरिक उड़ानें जारी रहीं तो ऐसे घातक और जानलेवा हमले आगे भी होते रहेंगे। इंडोनेशिया की सरकार ने एयरपोर्ट पर विमान के जलने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है लेकिन मामले की तहकीकात अभी भी जारी है। इंडोनेशिया के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने बताया कि यह जला हुआ विमान पीटी एएमए एयरलाइन का था जो जरूरी सामान पहुंचाती है। वामेना से उड़ान भरने के बाद याहुकिमो में उतरते ही इस नागरिक विमान का कंट्रोल रूम से संपर्क पूरी तरह से टूट गया था। पापुआ में साल 1969 से ही यह हिंसक और सशस्त्र अलगाववादी आंदोलन लगातार पूरी तेजी और आक्रामकता के साथ चल रहा है। इससे पहले फरवरी 2023 में भी इन विद्रोहियों ने न्यूजीलैंड के एक पायलट फिलिप मेहरटेंस को अपना निशाना बनाकर अगवा कर लिया था।

मौत को मात! वेनेजुएला में 8 दिन बाद मलबे से जिंदा निकला शख्स

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला में पिछले दिनों आए विनाशकारी भूकंप ने जहां हजारों घरों को मलबे में तब्दील कर दिया और 2200 से अधिक लोगों की जान ले ली, वहीं इसी मलबे के नीचे से उम्मीद की एक ऐसी किरण निकली है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। 24 जून को आए भीषण भूकंप के आठ दिन बाद, बचाव दल ने 'गैलरियस प्लाया ग्रांडे' शॉपिंग सेंटर के बेसमेंट से 43 वर्षीय सुरक्षा गार्ड हर्नान अल्बर्टो गिल फ्लोरेस को जिंदा बाहर निकाला है। इसे इस सदी के सबसे मुश्किल और चमत्कारी रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक माना जा रहा है।

100 घंटे से भी ज्यादा लगा समय : हर्नान को मलबे से बाहर निकालना कोई आसान काम नहीं था। बचाव कर्मियों ने उन्हें ढूंढने और बाहर निकालने के लिए 100 घंटे से भी ज्यादा समय तक बिना रुके काम किया। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी चुनौती अस्थिर ढांचा, भारी बारिश और लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स थे।

इस बचाव कार्य में केवल वेनेजुएला की टीमें ही नहीं, बल्कि चिली, अमेरिका, पुर्तगाल, मैक्सिको, कोस्टा रिका और अल साल्वाडोर की विशेषज्ञ टीमों ने भी दिन-रात एक कर दिया।

मौत के केबिन में कैसे बची जान : हर्नान गिल फ्लोरेस उस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में नाइट-शिफ्ट गार्ड के तौर पर काम करते थे। जब 7.2 और 7.5 तीव्रता के जबरदस्त झटके लगे, तो हर्नान अपने छोटे से सिक्योरिटी केबिन के अंदर थे।किस्मत से कंक्रीट का भारी ढांचा गिरा तो सही, लेकिन उनकी केबिन टिकी रही, जिससे वहां हवा आने-जाने की एक छोटी सी जगह बन गई और वे मलबे के नीचे दबने से बच गए। रेस्क्यू के दौरान एक भावुक क्षण तब आया जब कोस्टा रिका रेड क्रॉस की टीम हर्नान तक पहुंची। हर्नान ने डर के मारे रेस्क्यूअर से कहा था कि वे उनकी पत्नी को न बताएं कि वह जिंदा है, क्योंकि उन्हें डर था कि शायद वह बाहर निकलने तक जीवित न रह पाएं। हालांकि, उनकी पत्नी गुसबिमार गोंजालेज ने हार नहीं मानी थी। उन्होंने बताया कि जब उन्हें पति के जीवित होने का पता चला, तो उन्हें 'अंधेरे में उम्मीद की एक किरण' दिखाई दी। मलबे के नीचे दबे होने के बावजूद हर्नान ने अपना हौसला नहीं खोया। बचाव दल ने टेलीस्कोपिक कैमरों के जरिए उन पर नजर रखी और एक संकरे रास्ते से उन्हें पानी और तरल पोषक तत्व पहुंचाए। बचाव के आखिरी घंटों में वे समय बिताने के लिए ड्राइंग कर रहे थे, ताकि उनका ध्यान डर से हट सके।

पीओके में होने वाले चुनाव नहीं लड़ेगी इमरान खान की पार्टी, कश्मीरियों के लिए मांगा इंसाफ

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके में होने वाले चुनाव को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने बड़ा फैसला लिया है। इमरान की पार्टी 27 जुलाई को होने वाले पीओके विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेगी। पार्टी ने यह बड़ा फैसला मौजूदा हालात और कश्मीरियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया है।

पीटीआई ने क्यों किया चुनाव के बहिष्कार का ऐलान : पीटीआई के प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियों में पार्टी इस चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनेगी। पार्टी का कहना है कि चुनाव न लड़ने के फैसले का मकसद कोई राजनीतिक लाभ उठाना या नुकसान से बचना नहीं है। यह कदम केवल कश्मीरी अवाम के साथ एकजुटता दिखाने और लोकतंत्र के सम्मान में उठाया गया है। प्रवक्ता ने साफ किया कि जब तक एक स्वतंत्र, न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण राजनीतिक माहौल नहीं बन जाता, तब तक पीटीआई किसी भी चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेगी। बता दें कि पूर्व सत्ताधारी पार्टी पीटीआई वर्तमान में केंद्र में प्रमुख विपक्षी दल है।

पीओके में इस वक्त क्या हैं हालात : पीटीआई ने अपने बयान में प्रतिबंधित संगठन 'जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। पार्टी ने कहा कि यह क्षेत्र इस वक्त गंभीर संकट से जूझ रहा है। रावलकोट समेत पीओके के कई अन्य हिस्सों में हजारों नागरिक धरने पर बैठे हैं। हाल ही में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद, पीओके की कठपुतली सरकार ने 5 जून को आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत जेएएसी पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह बैन 9 जून को होने वाले जेएएसी के उस प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से ठीक पहले लगाया गया, जिसमें 1947 के बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान गए शरणार्थियों के लिए पीओके में आरक्षित 12 सीटों को खत्म करने की मांग की जानी थी। भोजन आपूर्ति रोकने का लगाया आरोप पीटीआई ने मांग की है कि क्षेत्र में राजनीतिक अस्थिरता को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए स्थानीय लोगों के मुद्दों का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। पार्टी ने आरोप लगाया है कि पंजाब प्रांत से पीओके के लिए भोजन की आपूर्ति 'पूरी तरह से रोक' दी गई है। हालांकि, शहबाज शरीफ सरकार और पुलिस प्रमुख ने कुछ दिन पहले ही इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया था।

टिकट बंटवारे पर रोक : चुनाव के बहिष्कार के फैसले के बाद पीटीआई संसदीय बोर्ड ने उम्मीदवारों को टिकट देने से जुड़ी सभी सिफारिशों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्रवक्ता ने बताया कि जब तक 'अगले आदेश' नहीं आ जाते, तब तक किसी भी स्तर पर आगे की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। अब पूरी दुनिया की नजरें 27 जुलाई को होने वाले इन चुनावों पर टिकी हैं। इमरान खान की पार्टी जैसी प्रमुख राजनीतिक शक्ति के चुनावी मैदान से बाहर रहने के कारण अब चुनावी मुकाबला एकतरफा होने की संभावना बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य विपक्षी दल की अनुपस्थिति न केवल चुनाव की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com